RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 83 ता. 19 सितम्बर 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

हेलीकॉप्टर से कराया जाएगा कैलाश दर्शन

देहरादून । भारत से ही कैलाश पर्वत के दर्शन का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से एमआई-17 हेलिकॉप्टर से अगले हफ्ते से कैलाश पर्वत के दर्शन शुरू हो जाएंगे। इसकी घोषणा 2-3 दिन में हो सकती है। इस यात्रा का खर्च 75 हजार रुपए होगा। कैलाश पर्वत चीन आधिपत्य वाले तिब्बत में है और व्यू पॉइंट से चीन बॉर्डर 10 किमी दूर है। व्यू पॉइंट की ऊंचाई 14 हजार फीट से अधिक है। इसलिए 55 साल की उम्र तक वालों को ही यात्रा कराई जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में पहले फेज में 58.19 प्रतिशत मतदान

-किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 प्रतिशत वोट पड़े

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हुई। पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान किया गया। शाम 5 बजे तक का मतदान प्रतिशत 58.19 प्रतिशत रहा। फाइनल आंकड़ा आना बाकी है। शाम 5 बजे तक आए आंकड़ों के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 प्रतिशत और पुलवामा में सबसे कम 43.87 प्रतिशत वोटिंग हुई। बिजबिहाड़ा विधानसभा सीट से पीडीपी की प्रत्याशी इल्तिजा मुफ्ती ने वोट डाला, वे पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। किश्तवाड़ से बीजेपी की कैंडिडेट शगुन परिहार ने भी वोट डाला। शगुन ने आरोप लगाया था कि किश्तवाड़ के बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाए गए। इसके बाद माहौल गर्म हो गया, जिसके चलते कुछ देर वोटिंग रुकी रही। पहले फेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था।

पीएम मोदी की श्रीनगर में चुनावी रैली आज, पार्टी उम्मीदवारों से करेंगे मुलाकात

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार 19 सितंबर को होने वाली चुनावी रैली से पहले श्रीनगर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 24 विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार 18 सितंबर को पूर्ण हो गया। अगले चरण के मतदान से पहले पीएम मोदी चुनावी रैली को संबोधित करने श्रीनगर पहुंच रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता अल्ताफ ठाकुर ने इस संबंध में मीडिया को बताया कि 19 सितंबर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को सुनने के लिए यहां के लोग बेहद उत्साहित हैं। पीएम मोदी का मौजूदा साल में यह तीसरा दौरा होने जा रहा है। भाजपा नेता अल्ताफ के अनुसार पीएम मोदी पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करने के लिए यहां आ रहे हैं। इसी बीच वो पार्टी के 19 उम्मीदवारों से मुलाकात भी करेंगे। पीएम मोदी के मिलने से पार्टी उम्मीदवारों का मनोबल भी बढ़ेगा और चुनाव जीतने में भी मदद मिलेगी। गोरतलब है कि इससे पहले 14 सितंबर को पीएम मोदी जम्मू में एक चुनावी रैली को संबोधित कर चुके हैं। यहां बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है, जबकि दूसरा चरण 25 सितंबर और तीसरा चरण 1 अक्टूबर को संपन्न होगा। इसके बाद मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने से किया इंकार...ममता से फिर मुलाकात की बात

कोलकाता । कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल को खत्म करने से मना कर दिया है। जूनियर डॉक्टर्स ने सीएम ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजा है, इसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने ममता सरकार से पुलिस कमिश्नर और हेल्थ सचिव को हटाने सहित 5 मांगें की थी। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। इसके बाद मंगलवार देर रात डॉक्टरों ने कहा कि प्रदर्शन जारी रहेगा। इसके बाद बुधवार को डॉक्टरों ने बताया अभी आधी जीत हुई। जूनियर डॉक्टर्स ने मांग की कि हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम का इस्तीफा जरूरी है। अस्पतालों में थ्रेट कल्चर खत्म करने की मांग भी अभी नहीं मानी गई है। इसलिए सीएम ममता से एक और मीटिंग की मांग की है।

केंद्रीय कैबिनेट ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट को दी मंजूरी...

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है विधेयक, विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे

एक देश-एक चुनाव के लिए 5 संविधान संसोधन जरूरी

नई दिल्ली ।

देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव करवाने के लिए एक देश-एक चुनाव प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। बिल शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में पेश किया जाएगा।

कैबिनेट मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहले फेज में विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे। इसके बाद 100 दिन के भीतर दूसरे फेज में निकाय चुनाव साथ कराए जाएं। लेकिन जानकारों का कहना है कि एक देश-एक चुनाव के लिए संविधान में पांच संसोधन जरूरी हैं। यानी एक देश-एक चुनाव के लिए अनुच्छेद 83, अनुच्छेद 85, अनुच्छेद 172, अनुच्छेद 174 और अनुच्छेद 356 को संसोधित करना पड़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले मार्च में यह रिपोर्ट पेश की थी। कैबिनेट के सामने रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है।

कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे।

चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश

उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक कार्यान्वयन समूह के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे इंडिया, जो भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

ये संसोधन जरूरी

जानकारों का कहना है कि एक देश-एक चुनाव के लिए संविधान में भी संसोधन करना पड़ेगा। संविधान में जो संसोधन होंगे उनमें अनुच्छेद 83-संसद के सदनों की अवधि, अनुच्छेद 85-राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग करना, अनुच्छेद 172-राज्य विधानमंडलों की अवधि, अनुच्छेद 174- राज्य विधानमंडलों का विघटन और अनुच्छेद 356-राजरूों में राष्ट्रपति शासन को संसोधित करना पड़ेगा।

गृह मंत्री ने किया घोषणा

17 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार इसी कार्यकाल में वन नेशन वन इलेक्शन लागू करेगी। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने कहा था कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा पैदा कर रहे हैं।

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट 18 हजार 626 पन्नों की है। पैनल 2 सितंबर 2023 को बनाया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। कमेटी ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने हस्तशिल्पियों एवं जनजाति कारीगरों से रूबरू चर्चा की -

जनजाति संस्कृति एवं कला को संर क्षित रखने में कलाकारों का योगदान महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू

हस्तशिल्पियों एवं जनजाति कलाकारों की कला को राष्ट्रपति ने सराहा

इन्दौर । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज इन्दौर प्रवास के दौरान मृगनयनी एंपोरियम में बुनकरों द्वारा हाथकरघा पर तैयार की गई रेशम एवं कॉटन की चंदेरी, महेश्वरी साड़ियों को देखा। इस दौरान उन्होंने आदिवासी क्षेत्र के हस्तशिल्पी,बुनकरों एवं जनजाति कारीगरों से रूबरू होकर चर्चा की और उनकी कला को सराहा। कलाकारों द्वारा राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को अपने हाथों से निर्मित हस्तशिल्प भी भेंट किया गया। यह सभी कलाकार अपनी विधा में पारंगत हैं और राष्ट्रीय स्तर पर इनकी एक अलग ही पहचान है। यह सभी कलाकार राष्ट्रपति महोदया से मुलाकात को लेकर बहुत उत्साहित थे और उनसे मिलकर बहुत खुश हैं कि उन्हें देश के सर्वोच्च पद पर आसीन श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से रुबरु मिलने व चर्चा करने का अवसर मिला। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा लघु उद्योग निगम के प्रबंध संचालक एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने इन कलाकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को संजो कर एवं संरक्षित रखने की जरूरत है। यह कलाकार इसमें अच्छा योगदान दे रहे हैं। इन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। जिससे इन कलाकारों को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को इन सभी कलाकारों ने अपने द्वारा निर्मित सामग्री भेंट दी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने इन कलाकारों के आग्रह पर उनके साथ तस्वीर भी खिंचवाई। धार जिले के कारीगर श्री मुबारिक खत्री से चर्चा के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने उनकी कला के बारे में जानकारी ली और पूछा कि वे कब से यह काम कर रहे हैं। इस पर मुबारिक खत्री ने बताया कि उनकी 11 पीढ़ियों से बाग प्रिंट का कार्य किया जा रहा

है। वे अपनी इस कला को आने वाली पीढ़ियों को भी सिखा रहे हैं। उन्होंने कॉटन के कपड़े पर बाग प्रिंट कैसे किया जा सकता है, यह करके भी दिखाया और बताया कि अब बांस एवं सिल्क की साड़ियों पर भी बाग प्रिंट किया जाता है।

खरगोन जिले के महेश्वर के बुनकर श्री अलाउद्दीन अंसारी ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हथकरघा साड़ी के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नर्मदा नदी में दोपहर के समय सूर्य की जो किरणें पड़ती हैं और उनसे नदी में जो लहरें चमकती हैं, उन्हीं लहरों का प्रिंट हथकरघा साड़ियों की बॉर्डर पर उतारा जाता है।

आतिशी 21 सितंबर को शपथ ले सकती हैं

-एलजी ने केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा; एक हफ्ते में सरकारी मकान छोड़ेंगे अरविंद

नई दिल्ली ।

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंजूरी के लिए भेज दिया है। साथ ही उन्होंने नई मुख्यमंत्री आतिशी के शपथ ग्रहण के लिए 21 सितंबर की तारीख का प्रस्ताव भी राष्ट्रपति को भेजा है।

इधर, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके अरविंद केजरीवाल अपना सरकारी आवास छोड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि हमने सुरक्षा को लेकर उनसे कहा कि सरकारी आवास ना छोड़ें, लेकिन वे नहीं माने। एक दिन पहले 17 सितंबर को आप विधायक दल की मीटिंग में आतिशी को मुख्यमंत्री चुना गया था। इसके बाद केजरीवाल ने शाम को एलजी विनय सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

केजरीवाल पर कई बार हमले हुए, हमें चिंता

संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी सभी सरकारी सुविधाएं छोडऩे जा रहे हैं। हम लोगों को चिंता है। केजरीवाल पर कई बार हमले हो चुके हैं। जब उनके माता-पिता घर में थे, तब भी उन पर हमला हुआ है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि केजरीवाल कहां रहेंगे। उन्होंने कहा है कि वे जनता के बीच रहेंगे, जगह अभी तय नहीं है।

रूस में फंसे भारतीयों में से एक वापस लौटा, पीएम मोदी का माना आभार

बोला-अकल्पनीय कठिनाइयों का किया सामना, गोली लगने से हो गया था घायल

अवंतीपोरा।

मोदी सरकार की पहल के बाद रूस में फंसे 45 भारतीयों को छुड़ाकर वापस देश लाया गया है। वहीं विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जल्द ही 50 और लोगों को वापस लाने की कोशिश की जा रही हैं। इन भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में शामिल कर लिया गया था। ये लोग अपनी मर्जी से यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस की तरफ से लड़ने सेना में शामिल हुए थे लेकिन अब वह वापस लौटना चाह रहे हैं। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से इस मुद्दे पर बातचीत की थी। पुतिन ने उन्हें वापस भारत भेजने का आश्वासन भी दिया था। रुप से रिहा होने वाले भारतीयों में दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा जिले के रहना वाला आजाद यूसुफ भी शामिल है, जिसने युद्धग्रस्त क्षेत्र में फ्रंटलाइन युद्ध प्रशिक्षण के दौरान गोली लगने से गंभीर रुप से घायल हो गया था। मोदी सरकार की पहल के बाद वह वापस अपने घर लौट रहा है और इस बात से खुश है कि वह करीब दो साल बाद अपने परिवार से मिल पाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजाद ने बताया कि रूसी कमांडर ने रुसी और टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कुछ नाम पढ़े और फिर हमसे कहा भारतीय वापस जाओ। हमें यकीन ही नहीं हुआ कि वह वास्तव में हमारी आज़ादी के बारे में बात कर रहा था। रूसी अधिकारी ने पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच एक बैठक का जिक्र किया, जिसमें कहा गया कि इससे उनकी यात्रा की स्थिति प्रभावित हुई है। आज़ाद ने कहा कि उसने कुछ ऐसा कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने मोदी से मुलाकात की और अब आपका अनुबंध रद्द हो रहा है। पीएम मोदी के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उसने कहा कि मुझे लगता है कि यह पीएम मोदी की रूस यात्रा थी जिसने उसे सुरक्षित घर पहुंचने में मदद की। आजाद ने बताया कि छह अन्य भारतीय रंगरूटों के साथ अकल्पनीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हम भाषा नहीं बोल सकते थे और मदद के लिए कोई नहीं था. अपने प्रशिक्षण के कुछ ही दिनों बाद मेरे पैर में गोली लग गई और मुझे 18 दिन तक अस्पताल में बिताने पड़े।

हरियाणा में कांग्रेस के जारी किया गारंटी पत्र

महिलाओं को हर माह दो हजार...गरीबों को सौ गज जमीन

चंडीगढ़ ।

हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने गारंटी पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं हैं। कांग्रेस का कहना था कि राज्य में अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कमरे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान का कहना था कि बीजेपी के शासन में हरियाणा में अपराध बढ़ गए हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए दो हजार रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। 18 वर्ष से 60 वर्ष की महिलाएं पात्र होंगी। महंगाई का बोझ कम करने के लिए 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। लोगों की कठिनाई कम करने के लिए बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को 6 हजार रुपए पेंशन देगी। रिटायर्ड कर्मचारियों का जीवन आसान बनाने के लिए ओपीएस लागू किया जाएगा। युवाओं को बेहतर भविष्य दिया जाएगा। 2 लाख खाली पदों को भरा जाएगा। हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा। 300 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। उदयभान ने आगे कहा, चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। गरीब परिवारों को 100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। हम कानूनी एमएसपी गारंटी सुनिश्चित करेंगे।

हरियाणा के लिए कांग्रेस की गारंटी

300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपए तक मुफ्त चिकित्सा उपचार दिया जाएगा। महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। 500 रुपए में सिलेंडर प्रदान किया जाएगा। 2 लाख रिक्त पदों पर भर्ती की जाएंगी। नशा मुक्त हरियाणा पहल की जाएगी।

वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन 6000 रुपए होगी।पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली होगी। जाति जनगणना कराई जाएगी। क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख रुपए तक बढ़ाई जाएगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाएगी। तत्काल फसल मुआवजा मिलेगा। गरीबों के लिए आवास लाएंगे। 100 गज का प्लॉट दिया जाएगा. 3.5 लाख रुपये की लागत वाला 2 कमरों का घर दिया जाएगा।

री-इन्वेस्ट-2024 : नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प नहीं, बल्कि मौजूदा समय की मांग है : उप राष्ट्रपति

वेद-उपनिषदों में अक्षय ऊर्जा के संबंध में हजारों वर्ष पहले बताए गए उपायों को आज पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है

गांधीनगर .

भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आयोजित चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो 2024 (री-इन्वेस्ट) का समापन समारोह बुधवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित इस समापन समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहे। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नवीकरणीय ऊर्जा यानी रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प ही नहीं, बल्कि मौजूदा समय की मांग भी है। क्योंकि, इसके साथ समग्र जीवसृष्टि का अस्तित्व जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत ने पर्यावरण का संरक्षण कर पूरी दुनिया को बचाने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में वैश्विक महायज्ञ का आह्वान किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि प्रत्येक नागरिक नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाकर इस महायज्ञ में अपनी आहुति दे। गुजरात के गौरवशाली इतिहास को पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि एक समय था जब स्वतंत्रता प्राप्त करने की बड़ी चुनौती का सामना करने के लिए गुजरात की भूमि के दो सपूतों, महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने देश का नेतृत्व किया था। आज दुनिया को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' जैसे एकता के प्रतीक की भेंट देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का पूरी दुनिया ने न केवल स्वागत किया है, बल्कि उनके सुझावों को स्वीकार भी किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात की भूमि पर इन तीन दिनों के दौरान दुनिया भर के रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के अग्रणियों द्वारा विचार-मंथन किया गया है। इस ऐतिहासिक आयोजन में लगभग 250 से अधिक विषय विशेषज्ञ वक्ताओं और उतनी ही संख्या में डेलीगेट्स भी सहभागी हुए हैं। गुजरात में आयोजित इस कार्यक्रम में तीन दिनों के दौरान हजारों की संख्या में नागरिकों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई है, जो वास्तव में सराहनीय है। उप राष्ट्रपति ने ऐसे वैश्विक आयोजन के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री को बधाई दी। री-इन्वेस्ट एग्जीबिशन में इस दुनिया को और अधिक जीने तथा रहने लायक स्थान बनाने के लिए वैश्विक स्तर के उपाय प्रदर्शित किए गए हैं, जिसमें 200 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया है। इसके अलावा, समिट के तीन दिनों के दौरान 500 से अधिक बीटूबी (बिजनेस टू बिजनेस) और बीटूजी (बिजनेस टू गवर्नमेंट) बैठकें भी आयोजित हुई हैं। जिसमें दुनिया भर के राजनयिकों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इसे ध्यान में रखते हुए उप राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि री-इन्वेस्ट समिट रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के विकास का एक शक्तिशाली माध्यम बनेगी।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि पृथ्वी पर मौजूद प्राकृतिक संसाधन सभी के लिए हैं, लेकिन उसका उपयोग करने में हम ज्यादा लोभ करेंगे, तो वह विनाश को आमंत्रित करेगा।

उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में बाढ़ , पटना में 21 सितंबर तक स्कूल बंद, मप्र में सामान्य से 10 प्रतिशत ज्यादा बारिश...

बरगी डैम के 9 गेट खुले, भिंड के आलमपुर में बाढ़ के खतरे को लेकर मुनादी, अटलसागर बांध के दो गेट खोले गए

जलाशय ओवरफ्लो...बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली/भोपाल ।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की वजह से 21 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

यमुना, घाघरा, शारदा, सरयू नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढने से रामघाट डूब गया है। वाराणसी में गंगा खतरे के निशान से सिर्फ 44 सेमी दूर हैं। प्रयागराज, मिर्जापुर और इटावा में 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इधर, नेपाल में तेज बारिश के कारण बिहार की नदियां भी उफान पर हैं।

पटना में गंगा का जलस्तर बढने पर दियारा इलाके के 76 स्कूलों को 21 सितंबर तक बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम, बांकुरा, हावड़ा, हुगली, नॉर्थ-साउथ 24 परगना, ईस्ट-वेस्ट मेदिनीपुर, वेस्ट बर्धमान जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य में 24 घंटे में 2 लोगों की मौत भी हुई। मप्र के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में एक्टिव स्ट्रॉन्ग सिस्टम आगे बढ़ गया है। अब नए सिस्टम के एक्टिव होने तक प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश हो रही है। तेज बारिश से जबलपुर के बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए हैं। सभी गेट बुधवार को 1.6 मीटर तक खोले गए हैं। ग्वालियर-भिंड में सुबह तेज बारिश हुई। स्कूलों की छुट्टी रही। यहां तिघरा बांध के पांच गेट खोले गए हैं। इससे सांक नदी उफान पर है। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है। भिंड के गोहद में देर रात से बारिश हो रही है। यहां वैसली जलाशय फुल टैंक लेवल क्रॉस कर चुका है। कई गांवों का भिंड मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है।

मौसम विभाग ने बुधवार को मुरैना, श्योपुर और शिवपुरी में तेज बारिश हो रही है। मप्र में अब तक 41 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से करीब 10 प्रतिशत ज्यादा है। मंडला, सिवनी और श्योपुर ऐसे जिले हैं, जहां 50 इंच या इससे अधिक पानी गिर गया है। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) और मानसून ट्रफ की वजह से प्रदेश में बारिश हो रही है। अब यह सिस्टम आगे बढ़ गया है। इससे बारिश की एक्टिविटी कम हो जाएगी।

अगले 24 घंटे में इन जिलों में बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में भिंड, मुरैना, श्योपुर और शिवपुरी में तेज बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है। दूसरी ओर, नीमच, मंदसौर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और अनूपपुर में तेज धूप निकलने के आसार हैं।

फिर से छलके डैम, तालाब

बारिश होने से प्रदेश के डैम और तालाब फिर छलक उठे हैं। मंगलवार को बालाघाट के बावनथड़ी बांध के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा गया।

इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, मड़ीखेड़ा, केरवा, कलियासोत, कोलार, भदभदा, तवा, बरगी, मोहनपुरा, हलाली, मड़ीखेड़ा, अटल सागर, तिघरा, बानसुजारा, जोहिला समेत कई डैम में भी पानी का लेवल बढ़ गया है।

कच्चा मकान गिरा, 2 बच्चों समेत 4 घायल

डबरा के अजयगढ़ में बुधवार दोपहर एक कच्चा मकान गिर गया। इस दौरान मकान में मौजूद जय देवी (25), फूलवती (60), वीरू (5) और भूमि (1) मलबे में दब गए। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। गोहद चौराहे पर जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से महर्षि अरविंद महाविद्यालय परिसर में पानी भर गया है।

भिंड जिले के गोहद स्थित वैशाली नदी में जल स्तर बढने से 6 गांवों का संपर्क गोहद से टूट गया। गंगा दास का पूरा गांव में मध्यप्रदेश सेतु विकास निगम का पुल डूब जाने से आवागमन बंद हो गया।

क्षेत्र के चंदहारा, भगवासा खुर्द, खेरिया, गंगादास का पूरा गांव के हजारों ग्रामीणों को पुल बंद होने से 4 किलोमीटर की दूरी अधिक तय कर मंडी तिराहे से होकर गोहद आना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भिवंडी में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव

मुंबई । गणेश विसर्जन के दौरान महाराष्ट्र और राजस्थान में विवाद शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के भिवंडी में गणेश विसर्जन के दौरान रैली पर पथराव किया गया। इसके बाद लोगों ने पत्थरबाजों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विसर्जन रोक दिया है। राजस्थान के भीलवाड़ा में गणेश मूर्ति विसर्जित किए जाने के बाद पंडाल में जानवरों के अंग मिले। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन किया। भीलवाड़ा के शाहपुरा इलाके में स्कूल और बाजार बंद कर दिए गए हैं। महाराष्ट्र के भिवंडी इलाके में मंगलवार देर रात गणेश विसर्जन जुलूस पर कुछ लोगों ने पथराव किया। इसमें मूर्ति खंडित हो गई। ठाणे के एडिशनल कमिश्नर ज्ञानेश्वर चव्हाण ने बताया- मंगलवार रात करीब 12 बजे एक धर्मस्थल के पास कुछ लोगों ने पथराव कर दिया, इससे विसर्जन के लिए जा रही मूर्ति खंडित हो गई।

लैंड फॉर जॉब केस में अब तेजप्रताप फंसे

7 अक्टूबर को सभी को कोर्ट में पेश होना होगापटना

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। पहली बार कोर्ट ने इस मामले में लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप, अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि तेजप्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। प्रवर्तन निदेशालय ने 6 अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इनमें से 4 की मौत हो चुकी है। इसमें लल्लन चौधरी, हजारी राय, धर्मेंद्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, स्व. लाल बाबू राय, सोनमतिया देवी, स्व. किशुन देव राय और संजय राय शामिल हैं। लल्लन चौधरी की पत्नी ने पति की मृत्यु से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी कोर्ट में प्रस्तुत की है। कोर्ट ने मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल करने का आदेश दिया था। इस मामले में अब 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। सभी को कोर्ट में पेश होना होगा।

अभिषेक बनर्जी की हड़ताली चिकित्सकों से अपील, काम पर लौटें

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद चिकित्सकों की हड़ताल बीतेएक माह से जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद भी चिकित्सकों का धरना-प्रदर्शन जारी है। अब, तृणमूल कांग्रेस के सांसद और महासचिव अभिषेक बनर्जी ने धरना दे रहे चिकित्सकों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है। उन्होंने पोस्ट कर चिकित्सकों से खास अपील की। उन्होंने कहा कि ममता सरकार ने हड़ताली चिकित्सकों की मांगें मान ली है, इसकारण अब उन्हें हड़ताल वापस लेने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने लिखा, मैंने पहले दिन से ही चिकित्सकों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का समर्थन किया है। मैंने हमेशा यह माना है कि प्रदर्शनकारियों की कुछ मांगों को छोड़कर उनकी अधिकांश चिंता सही और न्यायोचित हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद ममता सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए कागजातों के अनुसार, चिकित्सकों की सुरक्षा में सुधार के लिए अधिकांश उपाय प्रगति पर हैं। इन उपायों में पूरे पश्चिम बंगाल के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना और बुनियादी ढांचागत विकास शामिल हैं। यह कार्य 14 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने चिकित्सकों से हड़ताल वापस लेने की अपील करते हुए कहा, चिकित्सकों को अब सद्भावना के तहत हड़ताल वापस लेकर लोगों की सेवा करने के लिए, जुट जाना चाहिए। अंत में इतना ही कहूंगा कि सीबीआई को जवाबदेह ठहराना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि कोई भी अपराधी बच नहीं सके। उन्हें जल्दी से जल्दी सजा दी जाए। सीबीआई का रिकॉर्ड खुद ही सब कुछ बताता है। पिछले 10 सालों में, उन्होंने अपनी एक भी जांच पूरी नहीं की है। न्याय में देरी न्याय नहीं मिलने के बराबर है।

भाजपा प्रत्याशी शगुन परिहार की आपत्ति....कुछ देर रुका मतदान

-किश्तवाड़ में बंपर हुई वोटिंग

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बुधवार को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। इसमें 23.27 लाख वोटर्स शामिल हो रहे है। सुबह 1 बजे तक 41.17 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा किश्तवाड़ 56.86 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबसे कम पुलवामा में 29.84 प्रतिशत मतदान हुआ है। वोटिंग शाम 6 बजे तक होगी। किश्तवाड़ से भाजपा प्रत्याशी शगुन परिहार ने बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाने का आरोप लगाया। इस वजह से कुछ देर वोटिंग रुकी रही। अलग-अलग राज्यों में निवासरत 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडित भी वोट डाल सकते है। उनके लिए दिल्ली में 24 स्पेशल बूथ बने हैं। 2014 विधानसभा चुनाव में पहले चरण में दक्षिण कश्मीर की 22 सीटों पर चुनाव हुए थे। तब 11 सीटों पर महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को जीत मिली थी। भाजपा और कांग्रेस ने 4-4 सीटें जीती थीं।

वैवाहिक रेप मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह जटिल प्रश्न से जुड़ी याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा कि लेकिन कोई पति अपनी पत्नी को जो नाबालिग नहीं है, यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तो क्या उसे अभियोजन से छूट मिलनी चाहिए? एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुईं वकील इंदिरा जयसिंह ने सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने बताया कि मामलों में आंशिक रूप से सुनवाई हुई है और सुनवाई के बाद अगले दो दिनों में कार्यों का आकलन किया जाएगा। सीजेआई ने कहा आज और कल होने वाली सुनवाई से हमें पता चल जाएगा, जिसके बाद हम निश्चित रूप से वैवाहिक रेप मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 16 जुलाई को कानूनी प्रश्न पर याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। सीजेआई ने संकेत दिया था कि मामलों में 18 जुलाई को सुनवाई हो सकती है। आईपीसी की धारा 375 के अपवाद खंड के तहत किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ अगर पत्नी नाबालिग नहीं हो, यौन संसर्ग या यौन कृत्य रेप नहीं है। भारतीय दंड संहिता को निरस्त कर दिया गया है और अब उसकी जगह बीएनएस ने ले ली है। यहां तक कि नए कानून के तहत भी अपवाद दो से धारा 63 (रेप) में कहा गया है कि अपनी पत्नी जो 18 साल से कम उम्र की नहीं हो, के साथ यौन संसर्ग या यौन कृत्य रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी के वयस्क होने पर पति को जबरन यौन संबंध बनाने पर अभियोजन से सुरक्षा प्रदान करने से संबंधित आईपीसी के प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 जनवरी, 2023 को केंद्र से जवाब मांगा था। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने इसी मुद्दे पर बीएनएस के प्रावधान को चुनौती देने वाली ऐसी ही याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था। पीठ ने कहा कि हमें वैवाहिक रेप से संबंधित मामलों को सुलझाना होगा। इससे पहले केंद्र ने कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी और सामाजिक निहितार्थ हैं और सरकार को इन याचिकाओं पर अपना जवाब दायर करना होगा।

सरकार ने कंपनियों को दी हिदायत त्योहारी सीजन में नहीं बढ़ेगी महंगाई...

नई दिल्ली ।

भारत में त्योहारी सीजन आने वाला है और इसपर महंगाई की मार पडने को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई थी। यही नहीं बीते दिनों खाद्य तेलों और अन्य सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाए जाने के सरकारी फैसले ने इसमें और भी इजाफा कर दिया था। लेकिन अब सरकार की ओर से दावा किया गया है कि इस त्योहारी मौसम में महंगाई पर लगाम लगी रहेगी यानी देश की आम जनता पर बोझ नहीं बढ़ेगा। इसके लिए कमोडिटी प्रोडक्ट्स का बिजनेस करने वाली कंपनियों और व्यापारियों को हिदायत भी दी गई है। बुधवार को सरकार ने दावा किया है कि त्योहारी सीजन में जरूरी कमोडिटीज के दाम नहीं बढ़ेंगे और गेहूं, चावल, चीनी समेत खाद्य तेल के दामों पर नजर बनाए रखी जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात ड्यूटी में इजाफा किया है, जिससे इसकी कीमतों में उछाल आने की संभावना बढ़ी है। लेकिन, खाद्य उपभोक्ता मंत्रालय की ओर से गेहूं चावल चीनी खाद्य तेल के दाम काबू में रहने के दावा राहत भरा है। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि एक पहले ही मंगलवार को खाद्य तेल कंपनियों से कहा गया है कि वह फिलहाल कीमतें न बढ़ाएं।

सरकार ने कितनी बढ़ाई है कस्टम इयूटी

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए बीते दिनों क्रूड और रिफाइंड ऑइल पर कस्टम ड्यूटी को बढ़ा दिया है। ये इजाफा सूरजमुखी के तेल, पॉम ऑयल और सोयाबिन ऑयल पर किया गया है। फाइनेंस मिनिस्ट्री की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कस्टम ड्यूटी की बदलाव में बाद नई दरें, 14 सितंबर 2024 से लागू कर दी गई हैं। क्रूड पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 0-20 प्रतिशत, जबकि रिफाइंड ऑयल पर अब ये 12.5-32.5 प्रतिशत की गई है। बेसिक कस्टम ड्यूटी में इजाफे के बाद अब क्रूड ऑयल और रिफाइंड तेलों पर प्रभावी शुल्क क्रमशः 5.5 फीसदी से बढकर 27.5 फीसदी और 13.75 फीसदी से बढ़कर 35.75 फीसदी हो जाएगा।

सुल्तानपुर डकैती कांडः प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी कुमार और एसटीएफ चीफ को किया सम्मानित

लखनऊ ।

सुल्तानपुर डकैती कांड के पीड़ित व ज्वैलर्स का प्रतिनिधिमंडल लखनऊ स्थित डीजीपी ऑफिस पहुंचा। उन्होंने डकैती कांड के सफल अनावरण के लिए यूपी पुलिस को धन्यवाद दिया। इस दौरान व्यापारियों ने डीजीपी प्रशांत कुमार और एसटीएफ चीफ अमिताभ यश को सम्मानित भी किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने कहा कि लूटे गए सामान की रिकवरी हो गई है। वे पुलिस के कार्य से संतुष्ट हैं।

इस बाबत यूपी पुलिस ने पोस्ट में लिखा गया है कि बुधवार को भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश महामंत्री सहित 06 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा डीजीपी कुमार एवं एडीजी एलओ यश को सम्मानित किया गया। कारोबारी प्रतिनिधिमंडल द्वारा 28 अगस्त को सुल्तानपुर में सर्राफा व्यवसायी के घटित डकैती की घटना का यूपी पुलिस द्वारा सफल अनावरण तथा लूटे गए माल की शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए डीजीपी उत्तर प्रदेश का आभार एवं उनके प्रति विश्वास व्यक्त किया गया। बता दें कि 28 अगस्त को सुल्तानपुर नगर कोतवाली क्षेत्र के ठठेरी बाजार में दो बाइक पर सवार होकर आए पांच बदमाशों ने ज्वैलरी शॉप में डकैती को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले में दर्जन भर से ज्यादा लोगों को आरोपी बनाया था। इस कांड के बाद 3 सितंबर को पुष्पेंद्र सिंह, सचिन सिंह और त्रिभुवन को एनकाउंटर के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

वहीं, 5 सितंबर को जौनपुर के मंगेश यादव को एसटीएफ ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने दुर्गेश, अरविंद, विवेक और विनय शुक्ला नाम के आरोपियों को गिरफ्तार किया। हालांकि, मंगेश यादव के एनकाउंटर पर खूब बवाल हुआ।

नमाज पढ़वाकर बनाया वीडियो.....ग्रामीणों ने स्कूल पर लटकाया ताला

अलवर ।

राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल रायबका उमरैण में ग्रामीणों ने बुधवार सुबह स्कूल पर ताला जड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि टीचर की आपसी राजनीति में बच्चों का गलत इस्तेमाल हुआ है। कुछ टीचर ने बालिकाओं से नमाज पढ़वाकर उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद विभाग के उच्च अधिकारियों को भेज दिया। इसके पीछे टीचर की राजनीति है। इसके बाद ग्रामीणों ने दोषी टीचर को हटाने की मांग की है।

ग्राम सेवा सहकारी समिति के सदस्य अयूब खान व जिला पार्षद आस मोहम्मद ने बताया कि टीचर में आपस में राजनीति है। मार्च महीने में उपप्राचार्य व अन्य टीचर ने मिलकर कुछ छात्राओं से स्कूल में जबरन नमाज पढ़वाई, जिसका वीडियो बनाकर आगे भेज दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल में उप प्राचार्य धर्मराज, टीचर सरला रानी, कैलाश चंद और हरिदत्त वशिष्ठ राजनीति में लगे हुए हैं। राजनीति के चक्कर में प्राचार्य सरफू खान पर कुछ टीचर ने आरोप लगाकर एपीओ करवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल में कभी राजनीति नहीं होती थी। कुछ टीचर भाईचारे को जानबूझकर खत्म करने में लगे हैं। इसके विरोध में स्कूल बंद करना पड़ा है। दोषी टीचरों को हटाया जाएगा।

तब ही स्कूल खोला जाएगा। मामले की जानकारी पर उमरैण ब्लॉक के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी शिवचरण लाल पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझते हुए कहा कि निश्चित रूप से दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कई दिनों पहले का मामला है। नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो कैसे बना। यह जांच का विषय है।

नारियल के रेशे से बनी गणपति प्रतिमा का नहीं हुआ विसर्जन...जाने क्यों

कोटा ।

राजस्थान के कोटा में मंगलवार को अनंत चतुर्दशी पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। देर रात तक किशोरसागर तालाब में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इधर, कोटा में एक गणेश प्रतिमा ऐसी थी जिसका विसर्जन नहीं किया गया। बल्कि किशोर सागर में स्नान करवाकर फिर से स्थापित कर दिया गया।

दरअसल गुरुधाम कॉलोनी रोटेदा सोगरिया स्थित मुख्यालय पर स्थापित 16 किलो नारियल के रेशे से निर्मित इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमा को विधिवत पूजन कर सूरजपोल गेट के पास से मुख्य शोभायात्रा में सम्मिलित किया गया।

जल संरक्षण का संदेश दिया

इस दौरान पर्यावरण की सुरक्षा के लिए संदेश देकर 10 हजार पंपलेट शोभायात्रा में वितरित किए गए। जिसमें जल संरक्षण का संदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि जल प्रकृति की अनमोल संपदा है। जलीय जीवों की सुरक्षा होगी तब जल शुद्ध होगा।

दूषित पेयजल समस्त बीमारियों का कारण है। गणपति की प्रतिमा को विसर्जित करने की परंपरा को प्राकृतिक संतुलन के साथ जोड़ते हुए जलीय जीवों की सुरक्षा एवं पर्यावरण की रक्षा करें। बढ़ते जल प्रदूषण को रोकने का उत्तरदायित्व हम सभी का है। जिला मुख्यालय पर स्थापित की गई साढ़े 3 फीट की इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा शहर की एकमात्र ऐसी प्रतिमा है। जिसे वर्ष 2021 से विसर्जित नहीं किया जाता।

शोभायात्रा में सम्मिलित करते हुए पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए बारहद्वारी तक ले जाकर जल स्नान करवाने के बाद वापस मुख्यालय पर लाकर स्थापित किया जाता है। प्रतिमा की साल भर पूजा अर्चना और आरती होती है।

आईआईटी में सबसे ज्यादा दाखिला देने वाले राज्यों में राजस्थान शीर्ष पर

-राजस्थान के कारण आईआईटी दिल्ली जोन का जलवा कायम

कोटा ।

जेईई-एडवांस्ड-2024 के आर्गेनाइजिंग इंस्टीट्यूट आईआईटी-मद्रास ने जॉइंट इम्प्लिमेंशन समोइटी की परीक्षा एवं परिणाम के संबंध में डिटेल रिपोर्ट जारी कर दी है। रिपोर्ट में फिर राजस्थान आईआईटी में सबसे ज्यादा दाखिला देने वाले राज्य के रूप में सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार देश के समस्त राज्यों को 7 आईआईटी जोन में विभाजित किया गया था।

इन सभी जोन में कुल 17 हजार 965 छात्रों को आईआईटी में सीट आवंटित की गई। इसमें आईआईटी दिल्ली जोन से सर्वाधिक 4152 छात्र इस वर्ष आईआईटी में प्रवेश ले चुके हैं।

आईआईटी दिल्ली जोन में राजस्थान सबसे बड़ा राज्य है। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व लद्दाख शामिल है। इसके बाद राजस्थान ही एकमात्र ऐसा राज्य है जिससे सबसे अधिक विद्यार्थी आईआईटी में चयनित हुए हैं। राजस्थान से चयनित विद्यार्थियों में कोटा से सबसे अधिक विद्यार्थियों ने आईआईटी में प्रवेश किया है।

कोटा की बदौलत आईआईटी एडमिशन में दिल्ली जोन सिरमौर

आईआईटी मद्रास द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष कुल 2 लाख 50 , 284 छात्र जेईई-एडवांस्ड परीक्षा के लिए चुने गए थे। इसमें से 1 लाख 80 हजार 200 छात्रों ने जेईई-एडवांस्ड परीक्षा दी, इनमें से 48,284 स्टूडेंट्स को काउंसलिंग के लिए योग्य घोषित किया गया। इन स्टूडेंट्स ने 32 लाख 73 हजार 159 च्वाइस आईआईटी में प्रवेश के लिए भरी।

जिसमे सबसे अधिक च्वॉइसेस आईआईटी बॉम्बे की कंप्यूटर साइंस के लिए 25481 च्वॉइसेस एवं सबसे कम आईआईटी पटना की बीएस इकोनॉमिक्स विथ एमबीए ब्रांच के लिए 3978 च्वॉइसेस भरी गई।

3495 छात्राएं बनेंगी आईआईटीयन

इस वर्ष जेईई-एडवांस्ड क्वालीफाई कर कुल 3945 छात्राओं ने आईआईटी में प्रवेश लिया, जिसमें 3480 छात्राएं सुपर न्यूमेरेरी सीटों को मिलाकर फीमेल पूल से एवं 15 छात्राएं जेंडर नूट्रल पूल से आईआईटी में गई। इसके अतिरिक्त 14,200 छात्र जेंडर न्यूट्रल पूल से आईआईटीयन बने। कुल 17695 आईआईटीन सीटों में से 17605 सीट इंडियन एवं 88 सीटे ओसीआई एवं पीआईओ एवं मात्र 2 सीटे विदेशी नॅशनलिटी से आवंटित की गई।

इस वर्ष कुल आईआईटी में चयनित 17395 स्टूडेंट्स में सबसे अधिक छात्रों आईआईटी दिल्ली जोन के 4152, दूसरे नंबर पर आईआईटी मद्रास जोन के 4072, तीसरे पर आईआईटी बॉम्बे जोन के 3712, चौथे पर आईआईटी रूडकी जोन के 1700, पांचवे पर आईआईटी कानपुर 1669, छठे पर भुवनेश्वर जोन के 1604, सबसे कम सातवें नम्बर पर आईआईटी गुवाहाटी जोन से 786 स्टूडेंट्स आईआईटी में चयनित हुए।

फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर कंगना को नोटिस, 5 दिसंबर तक मांगा जवाब

चंडीगढ़।

चंडीगढ़ की एक कोर्ट ने फिल्म 'इमरजेंसी' में सिखों की छवि खराब करने के आरोप में दर्ज शिकायत के आधार पर बीजेपी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत और अन्य को नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने वकील रविंदर सिंह बस्सी की याचिका पर सुनवाई करने के बाद ये नोटिस जारी किया है। प्रतिवादियों को 5 दिसंबर तक अपना जवाब देने को कहा गया है।

वकील बस्सी ने याचिका में आरोप लगाया कि कंगना और अन्य प्रतिवादियों ने फिल्म 'इमरजेंसी' में सिखों की छवि खराब करने की कोशिश की है। खासतौर पर अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार को आतंकवादी के रूप में चित्रित कर उन्हें निशाना बनाया है। बस्सी ने याचिका में आरोप लगाया कि आरोपियों ने इतिहास के उचित तथ्यों और आंकड़ों का अध्ययन किए बिना सिखों के बारे में गलत अवधारणा चित्रित की है और सिख समुदाय के जत्थेदार के खिलाफ गलत और झूठे आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार अलग राज्य की मांग कर रहे थे जो पूरी तरह से झूठ है और यह सिर्फ सिखों और अकाल तख्त जत्थेदारों की छवि को खराब करने के लिए दिखाया गया था।

इस कृत्य और आचरण से सामान्यतः सिख समुदाय और अभिसाक्षी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म 'इमरजेंसी' की अभिनेत्री, निर्माता और निर्देशक ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ भड़काऊ बयान और भाषण देकर समुदायों के बीच मतभेद पैदा किया है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर कंगना रनौत और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

जंग के बीच परमाणु परीक्षण करने की तैयारी में पुतिन

-रूसी साइंटिस्ट ने सीक्रेट प्लान का किया खुलासा

मास्को । रूसी न्यूक्लियर टेस्टिंग साइट के प्रमुख ने यह खुलासा किया है कि उनकी सीक्रेट टेस्टिंग फैसिलिटी किसी भी क्षण परमाणु परीक्षण करने को तैयार है। उन्हें बस मॉस्को से आदेश का इंतजार है। आमतौर पर ऐसे बयान नहीं आते। ये बहुत ही दुर्लभ बयान है, जिसकी वजह से दुनिया में खलबली मच सकती है। रूस ने 1990 के बाद से आजतक एक भी परमाणु परीक्षण नहीं किया है। लेकिन पश्चिमी और रूस के रक्षा एक्सपर्ट्स का मानना है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन किसी भी समय परमाणु परीक्षण का आदेश दे सकते हैं। ताकि यूक्रेन और उसका साथ दे रहे देशों को सबक मिल सके। साथ ही वो रूस में लंबी दूरी की मिसाइलों के अटैक से बचें। उधर नॉर्वे की सीमा के पास रेडियोएक्टिव तत्व सेसियम-137 के कण मिले हैं। रेडियोएक्टिव कण मिलने की वजह से चर्चा और बढ़ गई है कि रूस जल्द ही परमाणु परीक्षण कर सकता है। परमाणु परीक्षण होगा या नहीं इस पर मॉस्को में चर्चा चल रही है। क्योंकि इस परीक्षण के बाद से चीन और अमेरिका को भी बढ़ावा मिलेगा। वो भी परीक्षण करेंगे। इससे परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच एक नई रेस शुरू हो जाएगी। इन तीनों देशों ने सोवियत संघ के खत्म होने के बाद से परीक्षण भी नहीं किए हैं।

40 साल की सबसे बड़ी भुखमरी , 6.8 करोड़ लोगों पर खाने का संकट

-जिम्बाब्वे में 200 हाथियों को मारकर बांटेंगे मीट

हरारे। जिम्बाब्वे में भुखमरी से निपटने के लिए सरकार ने हाथियों को मारने का आदेश दिया है। जिम्बाब्वे के 4 जिलों में 200 हाथियों को मारकर उसके मीट को अलग-अलग समुदायों में बांटा जाएगा। जिम्बाब्वे पार्क एंड वाइल्ड लाइफ अथॉरिटी ने इस बात की पुष्टि की है। दरअसल, जिम्बाब्वे पिछले 4 दशकों में सबसे बड़ी सूखे की समस्या से जूझ रहा है। इस वजह से देश की लगभग आधी आबादी पर खाने का संकट है। अल नीनो की वजह से पड़े सूखे की वजह से देश की पूरी फसल बर्बाद हो गई है। ऐसे में जिम्बाब्वे के 6 करोड़ 80 लाख से ज्यादा लोग खाने की कमी से जूझ रहे हैं।

देश में हाथियों की तादाद कम करने का भी लक्ष्य

पार्क एंड वाइल्ड लाइफ अथॉरिटी के प्रवक्ता फरावो ने कहा कि हाथियों की हत्या के पीछे दूसरा मकसद जिम्बाब्वे के पार्कों में हाथियों की तादाद कम करना है। दरअसल, जिम्बाब्वे में करीब 1 लाख हाथी रहते हैं। हालांकि, यहां के पार्क में सिर्फ 55 हजार हाथियों को रखने की जगह है। वहीं सूखे की वजह से देश के नागरिकों और हाथियों के बीच संतुलन बनाए रखने में दिक्कत बढ़ने की आशंका है। पिछले साल जिम्बाब्वे में हाथियों के हमले में 50 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले साल 1988 में जिम्बाब्वे में इस तरह हाथियों को काटकर उनके मीट को बेचा गया था।

इजरायल एआई के लिए करेगा 13.3 करोड़ डॉलर का निवेश

यरूशलम। इजरायल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए 13.3 करोड़ डॉलर का निवेश करने की घोषणा की है। इसतरह का निवेश एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास पर केंद्रित होगा और राष्ट्रीय एआई कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। इजरायल इनोवेशन अथॉरिटी ने कहा कि यह धनराशि पब्लिक सेक्टर में एआई एकीकरण को बढ़ावा देने में इस्तेमाल होगी। इस निवेश के तहत, सरकार द्वारा संचालित मंत्रालयों और स्थानीय अधिकारियों के लिए एक ज्ञान केंद्र का निर्माण होगा। यह केंद्र एआई के क्षेत्र में ज्ञान और संसाधनों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, इजरायल इनोवेशन अथॉरिटी ने राष्ट्रीय एआई अनुसंधान संस्थान की स्थापना और रक्षा से जुड़ी परियोजनाओं का समर्थन करने की योजना बनाई है। अथॉरिटी के अनुसार, आवंटन का मुख्य उद्देश्य मानव पूंजी को मजबूत करना है। इसके लिए एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को इजरायल की ओर आकर्षित करने के प्रयास किए जाएंगे। इस पहल के तहत उच्च तकनीक वाली परियोजनाओं को महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान किए जाएंगे और एआई अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए एडवांस्ड डिग्री छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही, क्षेत्र में विनियमन, नैतिकता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस निवेश के पीछे एक प्रमुख उद्देश्य युद्ध में एआई के उपयोग को भी शामिल किया जा सकता है। हाल के दिनों में, इजरायल ने गाजा में हमास के शीर्ष नेताओं को खोजने और निशाना बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि देश की एआई परियोजनाओं में सुरक्षा और रक्षा के पहलुओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

भारी बारिश और बाढ़ से मध्य यूरोप के 6 देशों में त्राहीमाम

प्राग। मध्य यूरोप में इनदिनों भयानक आसमानी आफत आई। तेज बारिश के बाद आई बाढ़ से अब तक 22 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। रोमानिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया जैसे देशों की हालत खराब है। भारी बारिश से नदियां ऊफान पर हैं। कई शहर, कस्बे और गांव पानी डूबे हुए हैं। ये तस्वीर रोमानिया की है। बाढ़ ऐसी कि रोमानिया से पोलैंड करीब 1200 किलोमीटर की दूरी तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। बाढ़ ने चेक गणराज्य, स्लोवाकिया, ऑस्ट्रिया, हंगरी तक को परेशान कर दिया है। बाढ़ से मध्य यूरोप के छह देशों में तबाही मची हुई है। चेक गणराज्य और पोलैंड की सीमा वाले इलाके ज्यादा प्रभावित हैं। यहां वीकेंड पर तेज बहाव के साथ नदियों में बहता हुआ कचरा आया। जिससे कई ऐतिहासिक कस्बे बर्बाद हुए और ब्रिज टूट गए। रोमानिया में बाढ़ की वजह से सात लोगों की मौत हो गई। पोलैंड में भी सात लोग मारे गए हैं। ऑस्ट्रिया में पांच की मौत हुई है। चेक गणराज्य में तीन लोगों की मौत हुई है। हजारों घरों में बिजली नहीं है। पोलैंड का तीसरा सबसे बड़ा शहर रोक्लॉ वर्तमान में ओडेर और बिस्त्रजिका नदियों के ऊफान से बचने का प्रयास कर रहा है। इस शहर के आधे हिस्से में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। पोलैंड में इमरजेंसी टीम में राहतकर्मी ने कहा कि यहां हर कोई एकदूसरे की मदद कर रहा है। चाहे वह छोटा बच्चा हो या फिर बुजुर्ग। जिसमें भी दम है, वहां कम से कम कुछ नहीं रेत की बोरियां रख रहा है। रोक्लॉ चिड़ियाघर के प्रशासन ने लोगों से मदद मांगी ताकि जानवरों को पानी से बचाने के लिए सैंडबैग रखे जा सकें। शहर के मुख्य चर्च में मौजूद 4.50 लाख किताबों को बचाने के लिए लोगों ने उन्हें ऊंचाई वाली जगहों और फ्लोर पर शिफ्ट किया है। रोक्लॉ से करीब 60 किलोमीटर दूर लेविन ब्रेजस्की में पानी बाढ़ का असर ज्यादा है। वहीं हंगरी के वाइसग्राद और जेनटेंड्रे में भारी तबाही मची है। डानुबे नदी की बाढ़ को रोकने के लिए मोबाइल डैम लगाए गए हैं। बुडापेस्ट भी पानी के बढ़ते जलस्तर से बचने के लिए पूरी तैयारी कर रहा है।

पहले शेख हसीना को भगाया अब मोहम्मद यूनुस के पीछे पड़े बीएनपी के कार्यकर्ता

ढाका। बांग्लादेश के लोग क्या चाहते हैं ये उन्हे खुद नहीं मालूम। पहले शेख हसीना के खिलाफ मोर्चा खोला और उन्हे देश से ही बाहर कर दिया। अब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के पीछे बीएनपी के लोग पड़े हैं। यूनुस के नेतृत्व में बनाई गई अंतरिम सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को हजारों लोग ढाका की सड़कों पर उतर आए, जिनमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ता और नेता भी शामिल थे। ये प्रदर्शनकारी जल्द चुनाव करवाकर लोकतांत्रिक ढंग से नई सरकार बनाने की मांग कर रहे थे। मोहम्मद यूनुस को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद देश की बागडोर सौंपी गई थी। उनका नेतृत्व अस्थायी सरकार का था, जिसका उद्देश्य देश में सुधार और स्थायित्व लाना था। हालांकि, यूनुस की सरकार ने अभी तक चुनाव की कोई स्पष्ट समयसीमा जारी नहीं की है, जिससे जनता में नाराजगी बढ़ रही है। यूनुस ने हाल ही में कहा था कि वह तब तक सत्ता में रहेंगे, जब तक लोग ऐसा चाहेंगे, लेकिन चुनाव की तारीख को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया। बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुरू में यूनुस सरकार द्वारा प्रस्तावित सुधारों का समर्थन किया था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुधार तभी सार्थक होंगे जब लोगों को अपनी बात कहने का मौका मिलेगा। रहमान ने कहा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव ही देश में राजनीतिक सशक्तिकरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

वाशिंगटन में अमेरिकी सीनेट में राइट टू आईवीएफ बिल पर वोट से पहले सीनेट के नेता सयूमर।

यूक्रेन को बर्बादी से कोई नहीं बचा सकता : कजाकिस्तान

अस्ताना। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध खत्म करने की बात तो करते हैं, लेकिन वे किसी भी तरह से यूक्रेन के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी हथियार नहीं डालना चाहते और इसी वजह से जंग बदस्तूर जारी। इस बीच, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने एक ऐसा बयान

दिया है, जिसे सुनकर जेलेंस्की के पांव के नीचे की जमीन खिसक सकती है। दरअसल, उनका कहना है कि रूस 'सैन्य रूप से अजेय' है। अगर यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ता है तो इसके परिणाम पूरी मानव जाति के लिए 'बहुत गंभीर' होंगे। उन्होंने सोमवार को जर्मनी के दौरे पर आए चांसलर ओलाफ स्कोल्ज से मुलाकात के दौरान यह बातें कही। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा, दुर्भाग्य से, इस्तांबुल ने समझौते की पुष्टि करने से इनकार कर दिया और सुलह हासिल करने का सबसे अच्छा अवसर खो दिया। हालांकि, शांति के लिए अभी भी एक मौका है। विभिन्न देशों की सभी शांतिपूर्ण पहलों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जानी चाहिए। शत्रुता की समाप्ति के लिए एक समझौते पर पहुंचना ही चाहिए।टोकायेव ने स्पष्ट किया कि उनके देश और यूक्रेन के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान दूतावास अभी भी कीव में काम कर रहा है। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने पुष्टि की कि वे पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि रखते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में मोदी की इंट्री, ट्रंप ने दावा किया- मोदी मुझसे मिलने आ रहे हैं

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंट्री अब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हो गई है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप सीना ठोककर कह रहे हैं कि पीएम मोदी मुझसे मिलने अमेरिका आ रहे हैं। ट्रंप ने मिशिगन के फ्लिंट में अपने चुनावी अभियान के एक कार्यक्रम में बैठक की घोषणा की है। इस बैठक में वह भारत के साथ अमेरिकी व्यापार संबंधों के बारे में बातचीत कर रहे थे। हालांकि यह मुलाकात कहां होगी इसकी जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया था। इसके मुताबिक पीएम मोदी अमेरिका में क्वॉड बैठक में हिस्सा लेने के साथ-साथ कई दूसरे कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री ट्रंप से भी मुलाकात कर सकते हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति रहते 2017 से 2021 के दौरान पीएम मोदी और ट्रंप में एक

मजबूत साझेदारी नजर आई थी। इस दौरान ह्यूस्टन में हाउडी मोदी और भारत में नमस्ते ट्रंप जैसे कार्यक्रम भी आयोजित हुए थे जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था।

पीएम नरेंद्र मोदी विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड लीडर्स समिट में हिस्सा लेंगे जिसकी मेजबानी 21 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि क्वाड समिट में नेता पिछले एक साल में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों को उनके लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए आने वाले साल के लिए एजेंडा तय करेंगे। वहीं 22 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय की एक सभा को भी संबोधित करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे। इसके अलावा मोदी 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शिखर सम्मेलन का विषय बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान है। शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में वैश्विक नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस दौरान मोदी कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

ट्रंप और पीएम मोदी के रिश्ते ने अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। दोनों नेताओं ने खास तौर से रक्षा और रणनीतिक मामलों में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया था। व्यापार संबंधी विवादों के बावजूद उनकी साझेदारी मजबूत रही, जिसने क्वाड जैसी पहल के माध्यम से सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा दिया।

कनाडा में आम चुनाव से पहले पीएम ट्रूडो विपक्ष के सामने पड़ रहे कमजोर

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो आम चुनाव से पहले राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में उनका प्रदर्शन विपक्षी दलों के मुकाबले कमजोर दिख रहा है। इस बीच मॉन्ट्रियल के लासेल-एमार्ड-वर्डुन संसदीय क्षेत्र में उपचुनाव ट्रूडो के लिए एक अहम परीक्षा है। यह सीट लिबरल पार्टी की सुरक्षित मानी जाती है और यहां लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका आगामी आम चुनावों पर गहरा असर पड़ेगा। उपचुनाव लिबरल सांसद के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र में लिबरल पार्टी को सामान्यतः जीत की उम्मीद है, सर्वेक्षणों के मुताबिक मुकाबला कड़ा है। लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका पूरा ध्यान पीएम ट्रूडो पर जाएगा, जो करीब 9 सालों से पद पर हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है। पार्टी के कुछ नेता ने ट्रूडो के नेतृत्व पर सवाल उठाया है वे पद छोड़ दें।

सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लिबरल पार्टी आगामी संघीय चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी के पियरे पोलिएवर से बुरी तरह हार सकती है। लेगर पोल ने

कंजर्वेटिव पार्टी को 45 फीसदी समर्थन दिया, जबकि लिबरल पार्टी केवल 25फीसदी समर्थन मिल रहा है। 2021 के चुनाव में, लिबरल्स ने लासेल-एमार्ड-वर्डुन में 43फीसदी वोट मिला था, जबकि क्यूबेकॉइस ब्लॉक और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 22फीसदी और 19फीसदी वोट मिले थे। अब पोल में तीनों पार्टियां करीब-करीब बराबरी पर हैं। लिबरल पार्टी ने चुनाव के दौरान पोलिएवर को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक के रूप में चित्रित करने की योजना बनाई है, जबकि पोलिएवर ने सीबीसी के फंडिंग को बंद करने का भी प्रस्ताव रखा है। इस उपचुनाव के परिणाम ट्रूडो की राजनीतिक दिशा को काफी हद तक निर्धारित कर सकते हैं और पूरे देश की राजनीति पर प्रभाव डाल सकते हैं।

हमास को छोड़िए... अब हिजबुल्ला को खत्म करने में जुटा इजरायल

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल और हिजबुल्ला के बीच की जंग लगातार तेज होती जा रही है। इजरायली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर जोरदार हमला कर एक फुटेज जारी किया है जिसमें लेबनान में हिजबुल्ला के अलग अलग ठिकानों पर हमला किया गया है। हमला दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के सैन्य ठिकानों पर हुआ है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गाजा में युद्ध के लिए उनके टारगेट को बढ़ाया गया है। लेबनानी सीमा के पास के इलाकों से भागे इजरायलियों को उनके घरों में वापस लौटने में सक्षम बनाना शामिल है। इजरायल द्वारा गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजरायली सेना और ईरान समर्थित लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के बीच लगभग हर दिन सीमा पार से गोलीबारी होती रही है।

अमेरिका क एक शीर्ष दूत ने लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई को बढ़ाने पर इजरायल को चेतावनी दी है। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तरी सीमा क्षेत्रों से निकाले गए इजरायलियों को उनके घरों में वापस लाने के लिए सैन्य कार्रवाई ही एकमात्र रास्ता बची है। अमेरिका का ये

बयान उसकी बढ़ती चिंता को दिखाता है कि गाजा में संघर्ष फैल सकता है।

यमन के ईरान-समर्थित विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक मिसाइल मध्य इजराइल के एक खुले क्षेत्र में गिरी, जिससे उसके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई हमले के सायरन बज उठे। इजराइल ने इसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया है। हमले में किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन इजराइली मीडिया ने कुछ वीडियो प्रसारित किए हैं जिनमें दिख रहा है कि बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लोग शरण लेने के लिए भाग रहे हैं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि इसके तुरंत बाद सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया। मध्य इजराइल के एक ग्रामीण क्षेत्र में आग की लपटें देखी जा सकती थीं।

स्पेस में फंसी सुनीता विलियम्स आज अंतरिक्ष में ही मनाएंगी बर्थडे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सुनीता विलियम्स जो इस समय स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण अपने दोस्त के साथ स्पेस में फंसी हुई हैं। उन्हें धरती पर लौटने में अभी चार-पांच महीने और लग सकते हैं। अपने साथ विल्मोर के साथ चुनौतियों का सामना कर रहीं सुनीता अंतरिक्ष यात्री 19 सितंबर को धरती से करीब 400 किलोमीटर दूर अपना 59वां जन्मदिन मानएंगी। इससे पहले भी वह स्पेस में अपना बर्थडे मना चुकी हैं। सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को हुआ था। वह भारत के अहमदाबाद (गुजरात) से ताल्लुक रखती हैं और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जरिए से अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी

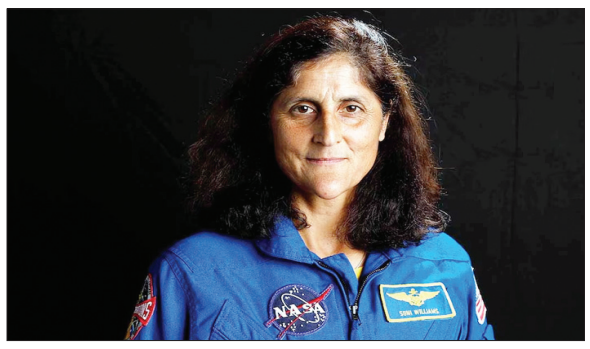

महिला हैं। उनसे पहले कल्पना चावला ने यह उपलब्धि हासि की थी।

जून 1998 में उनका अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में चयन हुआ और ट्रेनिंग शुरू हुई। सुनीता विलियम्स जो अमेरिका के अंतरिक्ष मिशन पर गई हैं। वह सितंबर-अक्टूबर 2007 में भारत भी आई थीं। जून, 1998 से नासा से जुड़ी सुनीता ने अभी तक कुल 30 अलग-अलग विमानों में 3 हजार हजार घंटे से ज्यादा उड़ान भरी है। साथ ही सुनीता सोसायटी ऑफ एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट्स, सोसायटी ऑफ फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर्स और अमेरिकी हेलिकॉप्टर एसोसिएशन जैसी संस्थाओं से भी जुड़ी हुई हैं। सुनीता विलियम्स नौसेना पोत चालक, हेलीकाप्टर पायलट, परीक्षण पायलट, पेशेवर नौसैनिक, तैराक, पशु-प्रेमी, मैराथन धाविका और अब अंतरिक्ष यात्री एवं विश्व-कीर्तिमान धारक हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से उन्हें नेवी कमेंडेशन मेडल, नेवी एंड मरीन कॉर्प अचीवमेंट मेडल, ह्यूमैनिटेरियन सर्विस मेडल जैसे कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। सुनीता को 2008 में भारत सरकार द्वारा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

टॉप-10 अमीरों की सूची से बाहर हुए मुकेश अंबानी, अब 12 वें पायदान पर

न्यूयॉर्क। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी एक स्थान फिसल कर अब 12वें स्थान पर आ गए हैं। अब टॉप-10 अरबपतियों में उनकी एंट्री थोड़ी मुश्किल हो गई है। दूसरी ओर गौतम अडानी एक बार फिर 15 स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह भी एक पायदान फिसल कर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि इस साल कमाई के मामले में दूसरे नंबर पर एनवीडिया के मालिक जेनसेन हुआंग हैं। इनकी दौलत इस साल 57.4 अरब डॉलर बढ़ी है। दुनिया के 14वें नंबर के अरबपति की कुल संपत्ति 101 अरब डॉलर है। इनके बाद लैरी एलिसन ने 55.5 अरब डॉलर की कमाई की है। इनका नेटवर्थ 178 अरब डॉलर है और ये दुनिया 5वें सबसे बड़े रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजा रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी अब 112 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ 12वें पोजीशन पर हैं। उन्हें पीछे छोड़कर अमानसियो ओरटेगा दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 11वें नंबर पर पहुंच गई हैं। इनकी संपत्ति 113 अरब डॉलर हो गई है। मंगलवार को मुकेश अंबानी की संपत्ति जहां 335 मिलियन डॉलर बढ़ी तो वहीं अमानसियो के नेटवर्थ में 1.24 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। यह अंतर ही उन्हें अंबानी से आगे कर दिया। अरबपतियों की लिस्ट में एलन मस्क 249 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ पहले पोजीशन पर बरकरार हैं।

लेबनान में पेजरों में हुए धमाकों में 11 की मौत, हजारों घायल

-मोसाद की प्लानिंग : ताइवान में बने 5 हजार पेजरों में था 3 ग्राम विस्फोटक

बेयरूत (एजेंसी)। बीती रात लेबनान में हुए पेजरों में धमाकों से 11 लोगों की मौत हुई और 9 हजार घायल हुए हैं। इस घटना ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। हमले के तार इजरायल से जोड़े जा रहे हैं। हालांकि, इजरायल की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसी बीच खबरें ये भी हैं कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने 5 हजार पेजरों में छोटे विस्फोटक शामिल कर दिए थे।

आंकड़े बता रहे हैं कि लेबनान के अलग-अलग हिस्सों में हिजबुल्ला के कुछ सदस्यों समेत 11 लोगों की मौत हुई है। साथ ही करीब 9 हजार लोग घायल हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि कोडेड मैसेज मिलने के बाद 3 हजार पेजर फट गए। एक

ग्राम तक विस्फोटक था, जिसका हिजबुल्ला को महीनों तक पता ही नहीं चला। हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 'हैंडहेल्ड पेजर' के नये ब्रांड पहले गर्म हुए, फिर उनमें विस्फोट हो गया। अधिकारी ने बताया कि इसमें उसके कम से कम दो सदस्यों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए।

हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्लाह ने पहले समूह के सदस्यों को सेलफोन न रखने की चेतावनी देते हुए कहा था कि उनका इस्तेमाल इजराइल की तरफ से उनकी गतिविधियों पर नजर रखने और लक्षित हमले करने के लिए किया जा सकता है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी अस्पतालों को आपातकालीन रोगियों को भर्ती करने के लिए सतर्क रहने और पेजर रखने वालों से खुद को पेजर से दूर रखने को कहा है। मंत्रालय ने स्वास्थ्य कर्मियों से वायरलेस उपकरणों का उपयोग करने से बचने को भी कहा है।रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के सुरक्षा सूत्रों और अन्य सूत्रों ने बताया है कि मोसाद ने ताइवान में बने 5 हजार पेजरों में छोटे विस्फोटक लगा दिए थे। ये पेजर हिजबुल्ला ने कुछ महीनों पहले ही ऑर्डर किए थे। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस घटना की योजना कई महीनों पहले से बनाई जा रही थी। इस घटना के बाद हिजबुल्ला ने इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।लेबनान सिक्युरिटी से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि समूह ने ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो से 5 हजार बीपर्स ऑर्डर किए थे। खबरें हैं कि इस साल ही ये लेबनान पहुंचे थे। पेजर मॉडल एपी 924 अन्य पेजरों की तरह मैसेज भेज सकता है और रिसीव कर सकता है, लेकिन इससे कॉल नहीं किया जा सकता। बातचीत में पहले दो सूत्रों ने बताया था कि हिजबुल्ला के लड़ाके इजरायल की तरफ से लोकेशन ट्रैकिंग से बचने के लिए पेजर्स का इस्तेमाल करते थे।

हरियाणा चुनाव : सत्ता का चक्रव्यूह

अम्बाला शहर की सीट पर भाजपा ने यहां से दो बार विधायक रहे असीम गोयल को तीसरी बार भी मैदान में उतरा है। गोयल, नायब सिंह सैनी के मंत्रिमंडल में पहली बार राज्य मंत्री भी बनाये गए हैं। कांग्रेस के दो मज़बूत बाग़ी उम्मीदवारों पूर्व विधायक जसबीर मलोर तथा युवा नेता हिम्मत सिंह के नामांकन पत्र भरने की वजह से असीम गोयल के लिये तीसरी बार भी यह सीट जीतना आसान लग रहा था। परन्तु नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन सांसद दीपेंद्र हुडा ने स्वयं अंबाला पहुंचकर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह के पक्ष में इन दोनों कांग्रेस नेताओं के नामांकन वापस करा दिये। इसके बाद अब यह माना जा रहा है कि निर्मल सिंह की जीत का रास्ता प्रशस्त हो गया है।

(लेखिका - निर्मल रानी)

गत 16 सितंबर को हरियाणा में नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि समाप्त हो गयी। प्राप्त समाचारों के अनुसार राज्य में 190 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया है। नाम वापस लेने वालों में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के कई बाग़ी उम्मीदवार भी शामिल हैं। इनमें सिरसा विधानसभा की सीट ऐसी भी है जहां बीजेपी प्रत्याशी रोहतास जांगड़ा ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। रोहतास जांगड़ा ने मीडिया को बताया कि पार्टी के कहने पर ही उन्होंने पर्चा दाख़िल किया था और पार्टी के कहने पर ही उन्होंने अपना नाम वापस भी ले लिया है। क़यास लगाये जा रहे हैं कि सिरसा विधानसभा सीट पर अब भाजपा हरियाणा लोकहित पार्टी के प्रमुख पूर्व मंत्री गोपाल कांडा को अपना समर्थन दे सकती है। ख़बर यह भी है कि इस सौदेबाज़ी के तहत गोपाल कांडा की हरियाणा लोकहित पार्टी रानियां सीट पर अपने उम्मीदवार के बजाये भाजपा उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। अंबाला की दो विधानसभा सीटों को लेकर भी कुछ ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। अम्बाला शहर की सीट पर भाजपा ने यहां से दो बार विधायक रहे असीम गोयल को तीसरी बार भी मैदान में उतरा है। गोयल, नायब सिंह सैनी के मंत्रिमंडल में पहली बार राज्य मंत्री भी बनाये गए हैं। कांग्रेस के दो मज़बूत बाग़ी उम्मीदवारों पूर्व विधायक जसबीर मलोर तथा युवा नेता हिम्मत सिंह के नामांकन पत्र भरने की वजह से असीम गोयल के लिये तीसरी बार भी यह सीट जीतना आसान लग रहा था। परन्तु नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन सांसद दीपेंद्र हुडा ने स्वयं अंबाला पहुंचकर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह के पक्ष में इन दोनों कांग्रेस नेताओं के नामांकन वापस करा दिये। इसके बाद अब यह माना जा रहा है कि निर्मल सिंह की जीत का रास्ता प्रशस्त हो गया है।

उधर अम्बाला छावनी की सीट पर गत छः बार के विधायक रहे पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। उनका मुक़ाबला वैसे तो कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी से है जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। परन्तु इसी सीट पर चित्रा सरवारा भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। चित्रा सरवारा कांग्रेस के अंबाला शहर के प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह की बेटी हैं। 2019 तक चौधरी निर्मल सिंह कांग्रेस में थे। बाद में कांग्रेस छोड़कर कुछ समय के लिये आम आदमी पार्टी में भी शामिल हुये। कुछ समय पूर्व ही पिता-पुत्री की पुनः घर वापसी हुई है। चित्रा 2019 में भी विज के विरुद्ध निर्दलीय चुनाव लड़कर 44 हज़ार वोट ले चुकी थीं इसलिये इस बार वह कांग्रेस से टिकट मांग रही थीं। परन्तु पार्टी ने एक ही ज़िले से पिता पुत्री को एक साथ टिकट न देने का निर्णय तो लिया। परन्तु जिस सक्रियता से निर्मल सिंह के विरुद्ध लड़ने जा रहे दो बाग़ियों के नाम वापस कराये गये उसी तरह स्वयं निर्मल सिंह की बेटी ने अपना नामांकन कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी के पक्ष में वापस क्यों नहीं लिया इस बात को लेकर रहस्य बना हुआ है। बहरहाल नामांकन वापस लेने के बाद अब 90 विधानसभा के लिये 5 अक्टूबर को होने वाले इस चुनाव में विभिन्न दलों के कुल 1031 प्रत्याशी अपना भाग्य आज़मा रहे हैं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना हरियाणा चुनावी दौरा भी शुरू कर दिया है। गत दिनों मोदी जम्मू कश्मीर से एक चुनावी सभा सम्बोधित करने के बाद कुरुक्षेत्र की जन आशीर्वाद रैली में पहुंचे। यहाँ उनके भाषण में मुख्यतः कांग्रेस ही निशाने पर रही। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद व भ्रष्टाचार का आरोप तो लगाया ही साथ ही यह भी बताया कि किस तरह कांग्रेस शासित राज्य वित्तीय संकट से बुरी तरह जूझ रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कथित आर्थिक संकट का ज़िक्र किया तथा उनकी जनता को मुफ़्त दी जाने वाली योजनाओं पर निशाना साधा तथा वित्तीय संकट के लिये इसी रेवड़ी कल्चर को ज़िम्मेदार ठहराया। हिमाचल प्रदेश का नाम लेकर उन्होंने कई उदाहरण भी दिये। हालांकि प्रधानमंत्री के इस आरोप का जवाब देने के लिये कांग्रेस की ओर से अगले ही दिन पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने चंडीगढ़ में एक प्रेस वार्ता की। चिदंबरम ने कांग्रेस शासित राज्यों में आर्थिक संकट के आरोपों को सिरे से ख़ारिज किया और कहा कि प्रधान मंत्री मोदी हमेशा सही नहीं बोलते। हर राज्य की स्थितियां अलग होती हैं। उल्टे चिदंबरम ने हरियाणा की भाजपा सरकार से ही बेरोज़गारी, क़र्ज़ और किसानों के मुद्दों पर आंकड़ों के साथ सवाल किये।

उधर तीसरी बार सत्ता में वापसी को आतुर दिखाई दे रही भाजपा के प्रत्याशियों को अनेक विधानसभा क्षेत्रों में जनता ख़ासकर किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ तक कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पूर्व हल्क़े नारायणगढ़ के भाजपा प्रत्याशी को भी किसानों ने कुछ गावों में घुसने नहीं दिया और नारेबाज़ी कर उन्हें वापस जाने के लिये मजबूर किया। इसी तरह अनिल विज को भी अपने क्षेत्र में ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। उधर कांग्रेस पार्टी जो कुछ समय पहले तक राज्य में क्लीन स्वीप करती दिखाई दे रही थी उसमें अब डैमेज कंट्रोल की ज़रुरत आ पड़ी है। इसका मुख्य कारण है पार्टी की भीतरी गुटबाज़ी व इसके कारण पैदा होने वाले विवाद। दरअसल पिछले दिनों हरियाणा में तेज़ी से एक वीडिओ वायरल हुआ जिसमें कथित रूप से कोई भूपेंद्र हुड्डा समर्थक बुज़ुर्ग, कुमारी शैलजा के बारे में जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी करता सुनाई दिया। यह वीडिओ कांग्रेस विरोधियों द्वारा यही कहकर प्रसारित की गयी कि यह कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा है। हालांकि इस आपत्तिजनक वीडिओ के वायरल होने के बाद स्वयं हुडा ने रोहतक में पत्रकारों से बात की और कहा कि -शैलजा उनकी बहन हैं और पार्टी की एक सम्मानित नेता हैं। कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकता है, और ऐसे लोगों के लिए पार्टी के अंदर कोई जगह नहीं है। जाति, धर्म के आधार पर लोगों को आपस में लड़वाना बीजेपी का काम है। हुडा ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी का कोई भी शख़्स ऐसी बात नहीं कह सकता है। दरअसल कुमारी शैलजा राज्य की सबसे वरिष्ठ दलित महिला नेता तथा इस वर्ग की मुख्यमंत्री पद की इकलौती दावेदार हैं। परन्तु कांग्रेस ने जिन 89 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं उनमें 72 प्रत्याशी अकेले भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक बताये जा रहे हैं जबकि सिरसा से लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रही पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के केवल 9 समर्थक प्रत्याशी ही टिकट हासिल करने में कामयाब हुये हैं। गोया टिकट वितरण से ही हुड्डा ख़ेमे का पल्ला भारी है।

अब देखना यह होगा कि कई क्षेत्रों में बाग़ियों के चुनाव लड़ते तथा शैलजा ख़ेमे के साथ साथ उन पर की गयी आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर दलित समाज में उपजे रोष के बीच हुड्डा ख़ेमे पर लगभग आश्रित नज़र आती कांग्रेस अपने बल पर भाजपा से सत्ता छीन सकेगी या फिर हरियाणा को 2019 की ही तरह राज्य में चुनाव लड़ रहे इनेलो,जजप,बसपा आज़ाद समाज पार्टी या विजयी होकर आने वाले अन्य स्वतंत्र निर्वाचित सदस्यों की बैसाखी की सरकार मिलेगी ?

संपादकीय

आतिशी के सिर ताज

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे और आतिशी को विधायक दल की नई नेता चुने जाने से दिल्ली सरकार में महीनों से जारी एक संकट दूर हो गया है। जेल से केजरीवाल के सरकार चलाने के पीछे चाहे जो भी राजनीतिक निहितार्थ रहे हों, सांविधानिक गरिमा के अनुकूल तो वह स्थिति खैर नहीं ही थी और जमानत पर रिहा होने के बाद भी उन पर जिस तरह की अदालती शर्तें आयद हैं, एक मुख्यमंत्री की स्वतंत्र कार्य-प्रणाली में उनसे अड़चनें ही आतीं। लिहाजा, नए मुख्यमंत्री का चुनाव न सिर्फ दिल्ली की जनता के हित में था, बल्कि खुद केजरीवाल के राजनीतिक भविष्य के मुफीद भी था। निस्संदेह, आम आदमी पार्टी की धुरी आज भी अरविंद केजरीवाल ही हैं। विधायक दल की नेता चुने जाने के बाद आतिशी का सार्वजनिक रूप से यह कहना कि वह सिर्फ अगले चुनाव तक पदभार संभाल रही हैं, पार्टी के भीतर किसी नए केंद्र की आशंका को तिरोहित करना तो है ही, कहीं न कहीं यह वरिष्ठ नेताओं की आहत महत्वाकांक्षाओं पर मरहम रखना भी है। निस्संदेह, विधायक के रूप में आतिशी का यह पहला कार्यकाल है, और किसी गैर-राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि की महिला का पांच साल के भीतर यूं मुख्यमंत्री की कुरसी तक पहुंचने का यह विरल उदाहरण भी है। जाहिर है, इस ताजपोशी के पीछे पार्टी के प्रति आतिशी की अटूट निष्ठा की अहम भूमिका है। पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर राजधानी के सरकारी स्कूलों के कायाकल्प में उन्होंने जैसा काम किया है, वह किसी से छिपा नहीं है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व- अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह के जेल जाने के बाद जिस तरह से उन्होंने सौरभ भारद्वाज और अन्य साथियों के साथ मिलकर सड़क से लेकर मीडिया तक आम आदमी पार्टी की जंग लड़ी, उससे कार्यकर्ताओं में उनकी एक जुझारू छवि बनी है। ऐसे में, उनसे उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। अरविंद केजरीवाल ने महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही दिल्ली विधानसभा का भी चुनाव कराने की मांग की है, उनकी यह मांग नहीं मानी गई, तब भी अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक चुनाव कराने होंगे। ऐसे में, आतिशी के पास अपनी शासकीय छाप छोड़ने के लिए बहुत अधिक समय नहीं है। फिर जिस सूबे की वह मुखिया बनी हैं, वह सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसी दिग्गज महिला नेताओं का शासन देख चुका है। खासकर शीला दीक्षित के लंबे कार्यकाल में दिल्ली ने विकास के न सिर्फ ऊंचे मापदंड देखे, बल्कि शालीन राजनीति का पाठ भी देश को पढ़ाया। इसलिए आतिशी के आगे कई बड़ी चुनौतियां होंगी। दिल्ली के नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ-साथ पार्टी की चुनावी नैया पार लगाने की चुनौती तो है ही, उनके समक्ष सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित की शालीन परंपरा को आगे बढ़ाने की भी चुनौती है। जाहिर है, आम आदमी पार्टी उनसे यही अपेक्षा करेगी कि वह महिला व युवा मतदाताओं को पार्टी की तरफ ज्यादा से ज्यादा आकर्षित करें। आतिशी का चयन अब विपक्ष को दिल्ली में नई रणनीति अपनाने के लिए बाध्य करेगा। केजरीवाल ने पद छोड़कर सत्ता से चिपके रहने की आलोचना की धार कुंद कर दी है, तो वहीं महिला वोटरों को रिझाने के लिए नेतृत्व के अलावा भी कई योजनाएं पार्टी के पास हैं। सियासत में सभी पार्टियां अपने दांव चलती ही हैं, पर आतिशी के लिए तो यह खुद को साबित करने का मुकाम है।

दिल्ली में आप की आतिशबाजी

आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से और कुछ हो या न हो किन्तु भाजपा की राजनीति को ग्रहण जरूर लग गया है। भाजपा की मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली ,झारखंड ,और बंगाल के मुख्यमांत्रियों को अपना निशाना बनाया था लेकिन तीनों ही भाजपा के शिकंजे से निकल गए। तीन में से दो हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को हालांकि जेल यात्रा करना पड़ी लेकिन ममता बनर्जी अभी तक बची हुई है । सन्देशखाली और कोलकात की वारदात भी उनका बाल-बांका नहीं कर सकी। अब भाजपा खीज चुकी है,उसकी बौखलाहट सार्वजनिक हो चली है।

(लेखक - राकेश अचल)

7 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के 74 वे जन्मदिन पर देश में आतिशबाजी हुई या नहीं,लेकिन दिल्ली में आम आदमीपार्टी ने जमकर आतिशबाजी की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को अपनाउत्तराधिकारी बनाकर प्रधानमंत्री जी को अनूठा उपहार दिया गया है। कालकाजी विधानसभा सीट से विधायक आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। आतिशी को 09 मार्च 2023 को पहली बार मंत्री बनाया गया था। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्हें केजरीवाल कैबिनेट में एंट्री मिली थी।

आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से और कुछ हो या न हो किन्तु भाजपा की राजनीति को ग्रहण जरूर लग गया है। भाजपा की मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली ,झारखंड ,और बंगाल के मुख्यमांत्रियों को अपना निशाना बनाया था लेकिन तीनों ही भाजपा के शिकंजे से निकल गए। तीन में से दो हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को हालांकि जेल यात्रा करना पड़ी लेकिन ममता बनर्जी अभी तक बची हुई है । सन्देशखाली और कोलकात की वारदात भी उनका बाल-बांका नहीं कर सकी। अब भाजपा खीज चुकी है,उसकी बौखलाहट सार्वजनिक हो चली है।

दिल्ली में नेतृत्व परिवर्तन यद्यपि भाजपा सरकार द्वारा आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर बनाया गया दबाब ही है, लेकिन केजरीवाल की वक्र चाल ने भाजपा के अब तक के किये कराये पर पानी फेर दिया। आम आदमी पार्टी की सियासत अब दोराहे पर है और भाजपा भी। । उसे साबित करना है कि उसका नहले पार दहला कारगर है या नहीं ?

अब आम आदमी पार्टी की ही नहीं भाजपा और गैर भाजपा गठबंधन की राजनीति में भी बदलाव साफ़ नजर आएगा। आतिशी को दिल्ली की कमान मिलने से आम आदमी पार्टी के वो नेता भी कहीं पीछे छूट गए हैं जिनका अरविंद केजरीवाल से रिश्ता पार्टी की स्थापना से भी पुराना है। केजरीवाल के इस्तीफे से खाली हुए शून्य को तो आतिशी के जरिए भर दिया गया है ,लेकिन भारी-भरकम मंत्रालयों का कार्यभार संभाल रहीं आतिशी को नई जिम्मेदारी मिलने से कैबिनेट में जगह खाली हो गई है। यानी नए नेताओं की दिल्ली की सरकार में एंट्री तय है. दूसरी तरफ भले ही अगले चुनाव तक आतिशी मुख्यमंत्री रहें, लेकिन संगठन की दृष्टि से भी उनके कद में इजाफा तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री होने के नाते वो पहली पंक्ति की नेता हो जाएंगी, प्रमुख स्टार कैंपेनर भी बन जाएंगी। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अब भाजपा के खिलाफ अभियान छेड़ने के लिए परम स्वतंत्र है। अब उनकी लड़ाई का रुख भी बदल जायेगा । अब केजरीवाल भाजपा की बेईमानी और अपनी ईमानदारी को लेकर राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश करेंगे ,लेकिन ये काम वे अकेले नहीं कर सकते । उन्हें भी इस अभियान में ईमानदारी के साथ पेश आते हुए कांग्रेस की बैशाखी का इस्तेमाल करना पडेगा। कहते हैं न कि - अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता । इसी तरह अकेले अरविंद केजरीवाल भाजपा का बाल-बांका नहीं कर सकते । वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा का जो भी नुक्सान हुआ वो कांग्रेस के नेतित्व वाले गठबन्धन की एकजुटता की वजह से हुआ ,केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का उसमें कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं है । आम आदमी पार्टी पंजाब से आगे ही नहीं बढ़ पायी । यहां तक कि दिल्ली में भी उसे लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी में कितना आतिश है ये फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा के चुनावों में स्पष्ट हो जाएग। आतिशी के पास करने के लिए कुछ भी नया नहीं है । वे केजरीवाल का मुखौटा हैं और मुखौटा ही रहेंगी ,जो कुछ करेंगे वो सब केजरीवाल ही करेंगे। केजरीवाल को यदि अपनी पार्टी को सचमुच राष्ट्रीय दल बनाये रखना है तो उन्हें दिल्ली के बाहर की राजनीति के बारे में भी सोचना और करना पड़ेगा। दिल्ली और पंजाब में सरकार चलकर आम आदमी पार्टी न कांग्रेस हो सकती है और न भाजपा। आम आदमी पार्टी कल भी भाजपा और कांग्रेस से मीलों पीछे थी और आज भी है ,शायद कल भी रहेगी।

आम आदमी पार्टी की नई करवट से सत्तारूढ़ भाजपा को वेदना तो हो रही है और भाजपा की वेदना अलग-अलग तरीके से सामने आ भी रही है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों में भाजपा की पूरी टीम का विचलन साफ़ दिखाई दे रहा है। यहां तक कि माननीय प्रधानमंत्री को गणेश पूजा के दौरान मुख्य न्यायाधीश के घर अपनी मौजूदगी पर भी मुंह खोलकर कांग्रेस पर हमला करना पड़ा है । जाहिर है कि वे बेफिक्र होकर पद पर नहीं हैं हालाँकि उनकी कोशिश अपनी फ़िक्र को लगातार छिपाए रखने की है।

देश में श्राद्ध पक्ष शुरू हो चुका ह। भाजपा केलिए ये देश के पूर्वजों को गरियाने का और शेष विपक्ष केलिए उनके प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने का अवसर भी है । जम्मू-कश्मीर की जनता आज चुनाव के पहले चरण में किस तरह से पेश आती है ,ये देखना भी बाक़ी है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा की भाजपा को आम आदमी पार्टी का ग्रहण लग चुका है ,क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने अब भाजपा सरकार और डबल इंजिन की तमाम सरकारों के हाथ से बुलडोजर संहिता छीन ली है । अब भाजपा बुलडोजर के जरिये देश के अल्पसंख्यक समुदाय को आतंकित नहीं कर सकती। अब भाजपा को अल्पसंख्यकों को हड़काने के लिए कोई नया औजार तलाशना होगा।

प्रधानमंत्री अपनी टीस को ज्यादा दिन छुपा नहीं पाते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणेश पूजन में शामिल हुए थे। इस पर विपक्ष के नेताओं ने सवाल उठाया था। प्रधानमंत्री ने आखिर अपने 74वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर में इसका जवाब दे ही दिया।प्रधानमंत्री ने कहा- गणेश पूजन में गया तो कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोग भड़क उठे। बांटो और राज करो की नीति पर चलने वाले अंग्रेजों को गणेश उत्सव खटकता था। आज समाज को बांटने और तोड़ने में लगे सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है।वे सच बोल रहे हैं या झूठ ये वे खुद जानें लेकिन मुझे लगता है की वे सच कम ही बोलते हैं।

जाहिर है कि प्रधानमंत्री जितना विचलित कांग्रेस की बढ़त से हैं उतने ही विचलित आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली में की गयी आतिशबाजी से भी है। आम आदमी पार्टी ने सुश्री आतिशी को दांव पर लगाकर एक बड़ा जोखिम लिया है। इसमका उसे लाभ भी हो सकता और नुक्सान भी । लेकिन सत्ता में बने रहने और सियासत में प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए ऐसे जोखिम लेना ही पड़ते हैं। भाजपा तो हर दिन अल्पसंख्यकों से लड़ने का जोखिम लेती है। अब देखना ये है कि क्या दिल्ली की आतिश से भाजपा का दुर्ग झुलसता है या दिल्ली की आतिश भीगी हुई बारूद साबित होती है ? खेल दिलचस्प हो गया है। देखते रहिये।

विचार मंथन

पेजर धमाके अर्थात इजराइल-हमास युद्ध का विस्तार

(लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान)

रुस और यूक्रेन के बीच जारी जंग युद्धबंदियों की अदला-बदली से थमती नजर तो आई है, लेकिन इजरायल और हमास के बीच जारी जंग किसी सूरत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल 07 अक्टूबर 2023 को हमास के द्वारा किए गए इजराइल पर हमले के बाद से यह जंग बराबर जारी है। गाजा पट्टी और उसके आस-पास युद्ध का भयावह मंजर लगातार देखने को मिल रहा है। मानवता को मानों जमींदोज कर युद्ध के तमाम नियमों को ताक पर रख, एक-दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में कौन मर रहा और कौन हताहत हो रहा, इससे भी किसी को मानों कोई सरोकार नहीं रह गया है। युद्ध की विभीषिका में शांति के कपोत भी मारे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपील के बावजूद कहीं से कोई हमलों की कमी होती नजर नहीं आ रही है। हद तो यह है कि हमले ऐसी जगहों पर भी किए गए, जिन्हें बच्चे, बूढ़ों और महिलाओं के रहने और इलाज के लिए चिंहित किया गया था। इन हमलों में संयुक्त राष्ट्र की टीम के साथ काम करने वाले भी अपनी जान गंवाते नजर आए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइली हमलों में अब तक करीब 42 हजार 957 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 80फीसदी फिलस्तीनी नागरिक बताए गए हैं। इस युद्ध में सबसे अधिक फिलस्तीन को नुक्सान उठाना पड़ रहा है। ऐसे अंधे युद्ध की चारों ओर निंदा तो हो रही है, लेकिन इस युद्ध को रोका कैसे जाए और किस तरह से न्याय करते हुए कानून का राज लाया जाए कहना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर तब जबकि इजराइल-हमास युद्ध को विस्तार देने वाली ताकतें लगातार सफल होती जा रही हैं। इस कारण गाजा पट्टी व अन्य आस-पास के इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। हमले का तरीका नया है, जिससे इस युद्ध में अन्य देशों के शामिल होने के पुख्ता सुबूत भी मिलने लगे हैं। यहां बताते चलें कि लेबनान और उसके हिजबुल्लाह लड़ाकों पर एक नए तरह से पेजर धमाकों से हमला किया गया है। इसके तहत लेबनान और सीरिया के अनेक शहरों में इस्तेमाल हो रहे हजारों पेजर अचानक धमाकों के साथ फट गए। इसमें एक दर्जन के करीब लोगों की मौत हो गई जबकि हजारों की तादाद में लोग जख्मी हुए हैं। इससे साफ हो गया है कि इजराइल और लेबनान सीमा पर अब हमले और तेज हो जाएंगे। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि बम की तरह इस्तेमाल किए जाने वाले पेजर बनाने वाली कंपनी को आखिर दुश्मन देश के रणनीतिकारों ने कैसे साध लिया, जो हिजबुल्लाह को धूल चटाने के लिए एक बड़ा हमला करने में कामयाब हो गए। कहा तो यही जा रहा है कि इस हमले के पीछे इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ हो सकता है। इसकी पुख्ता वजह भी है, क्योंकि मोसाद पर हमास के हमले के बाद लगातार फेल होने के दाग लगते रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक दुनिया के विशेषज्ञों की मानें तो पेजर एक साधारण रेडियो डिवाइसेस है, जिसे संक्षिप्त संदेश या सिग्नल हासिल करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। रेडियो फ्रिक्वेंसी के जरिए कार्य करने वाले इन पेजरों पर एक्सप्लोसिव का इस्तेमाल करते हुए रिमोट से उड़ाया जा सकता है। इसी आधार पर पेजर को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया है। सवाल यह है कि पेजर बनाने वाली कंपनी ने इसे हथियार का रुप दिया या किसी और ने ऐसा करके बड़े हमले को अंजाम दिया, यह देखने वाली बात है। वैसे तो शांतिप्रिय विश्व के लिए यह अपनी तरह की पहली विभत्स घटना मानी जा रही है, लेकिन दावा यह भी है कि इजराइल ने इससे पहले भी कंपनियों के प्रोडक्शन लाइन को प्रभावित करने का काम किया है। दरअसल ईरान को मिसाइल देने वाली कंपनी के मिसाइलों में यूं ही स्टक्सनेट का इस्तेमाल सितंबर 2023 में किया गया था। यह भी सॉफ्टवेयर को प्रभावित करता है और एक बड़ा विस्फोट करने का कारण बनता है। मतलब साफ था कि ईरान मिसाइलें बनाता और जब वह सैन्य डिपो में रखता, तो ये वहीं फट जातीं। तब ईरान ऐसे हमले से खुद को बचाने में कामयाब रहा, लेकिन पेजर मामले में हिजबुल्लाह फंस गया। सेलफोन में आईईडी लगाकर विस्फोट करने के मामले पहले भी हुए हैं, लेकिन पेजर हमला पहली बार हुआ है। इसके दूरगामी परिणामों को देखते हुए ही सबसे पहले पेंटागन ने ऐसे किसी हमले में उसके हाथ होने से साफ इंकार कर दिया है। दरअसल अमेरिका यह बात बहुत अच्छी तरह समझ चुका है कि इस युद्ध की आग अब उसे भी किसी भी पल झुलसा सकती है।

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

मोदी 3.0 में सरपट दौड़ रहा सेंसेक्स, निवेशकों को कर दिया मालामाल

मुंबई ।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिन में सेंसेक्स 6,300 अंक या 8.2 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप में भी बंपर तेजी है। इस दौरान बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। समीक्षा अवधि में बीएसई आईटी और बीएसई हेल्थकेयर इंडेक्स ने 22-22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीएसई कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ने 17 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, बीएसई मेटल इंडेक्स और बीएसई रियल्टी इंडेक्स में क्रमशः तीन और एक प्रतिशत की गिरावट हुई है। समीक्षा अवधि में रेफेक्स इंडस्ट्रीज, पीसी ज्वेलर्स, बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज, ग्राविटा इंडिया, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, गॉडफे फिलिप्स इंडिया और न्यूलैंड लेबोरेटरीज ने 100 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। कुछ दिनों पहले वैश्विक ब्रोकरेज फर्म की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वे लंबी अवधि के लिए भारतीय शेयर बाजार पर बुलिश हैं। इसकी वजह जीडीपी में तेज वृद्धि दर का होना है, जिसके कारण कॉरपोरेट आय में भी इजाफा हो रहा है। छोटी अवधि में घरेलू निवेशकों की ओर से किया जाने वाला निवेश भी जारी रहने की उम्मीद है। वहीं, विदेशी निवेशकों की भी वापसी हो सकती है। भारतीय शेयर बाजार में तेजी की वजह अर्थव्यवस्था का मजबूत होना है। भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इसके वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल की शुरुआत से अब तक निफ्टी करीब 17 प्रतिशत और सेंसेक्स करीब 16 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बाजार में भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 83.70 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 83.89 पर खुला। वहीं अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 83.76 पर बंद हुआ था। गत दिवस प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर रुख और वै श्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे मजबूत होकर 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा की तेजी को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मामूली गिरावट के साथ 83.87 प्रति डॉलर पर खुला, हालांकि शुरुआती सौदों के बाद वापसी करते हुए 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त दिखाता है।

स्पाइसजेट..... खा गई अपने कर्मचारियों का पैसा

नई दिल्ली । कभी भारतीय आसमान की क्लीन माने जाने वाली विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने ऐसा काम किया है, जो कॉरपोरेट जगत में शर्मनाक है। पहले कंपनी ने अपनी गलतियों से कारोबार डुबाया और उसके विमान जमीन पर आ गए। कंपनी के पास पैसा नहीं बचा, तब कर्मचारियों का पैसा काटकर अपना खर्च चलाने लगी। खुलासा होने पर बेशर्मी से स्वीकार भी किया कि हां, हमने डिफॉल्ट किया है। इतना ही नहीं इस राशि को लौटाने के लिए लंबा वक्त चाहिए, क्योंकि कंपनी के पास फिलहाल इस संकट से जल्दी निकलने का कोई तय फॉर्मूला नहीं दिख रहा है। स्पाइसजेट ने बाजार नियामक सेबी को पेश किए प्रीलिमिनरी प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट (पीपीडी) में इसका खुलासा किया है। कंपनी ने स्वीकार किया है कि उसने अप्रैल 2020 से अगस्त 2023 के बीच कर्मचारियों की सैलरी से काटे गए 220 करोड़ रुपये के टीडीएस यानी टैक्स को अथॉरिटी के पास जमा नहीं कराया। इस दौरान 135.3 करोड़ रुपये का पीएफ यानी भविष्य निधि का पैसा भी कर्मचारियों की सैलरी से काटा, लेकिन इस पैसे को भी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ के पास जमा नहीं कराया। कंपनी की इस हरकत को कर्मचारियों के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ माना जा रहा है। कंपनी ने बताया है कि आकलन वर्ष 2009-10 से 2013-14 के बीच भी 72 करोड़ रुपये के टीडीएस को लेकर विवाद चल रहा है। इसका मतलब है कि कंपनी ने पहले भी अपने कर्मचारियों की सैलरी से टीडीएस काटा पर आयकर विभाग तक नहीं पहुंचाया। कंपनी ने सेबी को बताया है कि उसके ज्यादातर विमान जमीन पर खड़े हैं और कारोबार ठप हो गया है। एयरक्राफ्ट लीज पर देने वाली कंपनियों का भी बकाया है, जबकि मेंटेनेंस के पैसे नहीं होने से विमानों का संचालन भी नहीं हो पा रहा। लीज देने वाले और वेंडर्स के खिलाफ डिफॉल्ट होने से कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा, जिसमें आईबीसी कानून के तहत दिवालिया कार्यवाही भी शामिल है। 30 जून, 2024 तक स्पाइसजेट के आधे से ज यादा विमान जमीन पर आ चुके हैं। कंपनी के पास 64 विमान हैं, जिसमें से 36 का परिचालन ठप है। कंपनी का घाटा भी 7,728 करोड़ रुपये पहुंच गया है, जबकि नेट वर्थ भी 5,022 करोड़ रुपये निगेटिव में पहुंच गई है।

दिवालिया होने की कगार पर किचनवेयर कंपनी टप्परवेयर

मुंबई । अमेरिकी किचनवेयर कंपनी टप्परवेयर ब्रांड्स कॉर्प दिवालिया होने वाली है। वर्षों से घटती बिक्री और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण कंपनी ने दिवालियापन संरक्षण के लिए चैप्टर 11 दायर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, टप्परवेयर की संपत्तियां 500 मिलियन और 1 बिलियन के बीच है, जबकि देनदारियां 1 बिलियन और 10 बिलियन के बीच आंकी गई है। जून 2024 में टप्परवेयर ने अपना अंतिम अमेरिकी कारखाना बंद कर दिया। किचन और घर में इस्तेमाल के लिए कंटेनर बनाने वाली कंपनी ने लंबे समय तक बाजार पर राज किया है। इसके टिफिन ऑफिस जाने वाले लोगों के बीच बहुत मशहूर हैं। टप्परवेयर ब्रांड्स कॉर्प की स्थापना 1946 में अर्ल टुप्पर ने की थी। टुप्परवेयर अपने अभिनव प्लास्टिक उत्पादों, विशेषकर इसके पेटेंटेड एयरटाइट सील के कारण जल्द ही बहुत लोकप्रिय ब्रांड बन गया था। ब्रांड ने इन-होम बिक्री पार्टियों के माध्यम से लोकप्रियता हासिल। ये पार्टियां उपनगरीय अमेरिका में एक सांस्कृतिक घटना बन गई थीं। कोरोना महामारी के दौरान इसकी सेल्स में तेज इजाफा हुआ, जब लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे थे और अधिक से अधिक कुकिंग हो रही थी और खाना बच भी रहा था। हालांकि जब स्थिति सामान्य हुई तब इसकी सेल्स में भरी गिरावट आई। रिपोर्ट के मुताबिक टप्परवेयर ने कर्ज की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसके बाद कर्ज देने वाले कोर्ट पहुंच गए। कंपनी ने लीगल और फाइनेंशियल एडवाइजर्स चुन लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक टप्परवेयर और इसके लेंडर्स के बीच इस लेकर बातचीत शुरू हो गई है कि 70 करोड़ डॉलर (5870.53 करोड़ रुपये) से अधिक के कर्ज को कैसे मैनेज किया जाए।

बेहतर मानसून के कारण देश में बढ़ा दालों की बुआई का रकबा

धान की बुआई ने बीते पांच साल का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली । पूरे देश में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश के कारण दालों की बुआई का रकबा करीब 8 प्रतिशत बढ़कर 127.77 लाख हेक्टेयर (17 सितंबर तक) हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 118.43 लाख हेक्टेयर था। केंद्र सरकार की ओर से इसकी जानकारी दी गई। जानकारी के मुताबिक, इस साल 2 सितंबर तक खरीफ की फसलों की बुआई 1,096 लाख हेक्टेयर में हुई है। पिछले साल समान अवधि में आंकड़ा 1,087.33 लाख हेक्टेयर था। इस साल धान की बुआई 410 लाख हेक्टेयर में हुई है, यह आंकड़ा पिछले साल समान अवधि में 393.57 लाख हेक्टेयर था। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, मोटे अनाज की बुआई 189.67 लाख हेक्टेयर में हुई है। पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 183.11 लाख हेक्टेयर था। इस साल तिलहन की बुआई का क्षेत्रफल 190.37 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 193.32 लाख हेक्टेयर हुआ है। वहीं, गन्ने की बुआई 57.68 लाख हेक्टेयर में हुई है, पिछले साल समान अवधि में गन्ने की बुआई 57.11 लाख हेक्टेयर में हुई थी। 2024 में अब तक अच्छे मानसून के कारण धान की बुआई पिछले पांच वर्ष के औसत को पार कर चुकी है। बुआई का क्षेत्रफल बढ़ने की मुख्य वजह देश में अच्छे मानसून का होना है, जिसके कारण देश के असिंचित इलाकों में बुआई क्षेत्रफल बढ़ा है। यह देश के कुल कृषि भूमि का 50 प्रतिशत है। कृषि और उससे जुड़े हुए सेक्टर पर केंद्र सरकार की ओर से लगातार ध्यान दिया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में 1.52 लाख करोड़ रुपये कृषि और उससे जुड़े सेक्टर में उत्पादन बढ़ाने के लिए आवंटित किए गए थे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले ही निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरु कर दी और जिससे आईटी कंपनियों के शेयर टूट गये। दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 131.43 अंक करीब 0.16 फीसदी नीचे आकर 82,948.23 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 41 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी नीचे आकर 25,377.55 पर बंद हुआ। इंट्रा डे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनो ही ऊपर आये थे।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और विप्रो सहित 33 शेयर गिरावट पर बंद हुए, वहीं श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक के 19 शेयर बढ़त पर बंद हुए।

टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयरों में 3.46 फीसदी तक की गिरावट रही। इस बीच, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर 3.36 फीसदी तक की बढ़त के साथबंद हुए। दुनिया भर के बाजारों की बात करें एशियाई बाजारों में टोक्यो और शंघाई के बाजार ऊपर आये हैं जबकि हांगकांग में अवकाश के कारण कारोबार बंद रहा। वहीं यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गई जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजारों में मिश्रित कारोबार हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। बाजार आज सुबह गिरावट पर खुले।बाजार में इस गिरावट का कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही

नीतिगत ब्याज दरों को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बयान के कारण निवेशकों का सतर्क रुख भी रहा है। आज सुबह सभी मुख्य सूचकांकों में एक सीमित दायरे में कारोबार होता दिखा। सुबह सेंसेक्स 85 अंक करीब 0.10 फीसदी नीचे आकर 82,990 और निफ्टी 21 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी फिसलकर 25,393 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में वित्तीय शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी बैंक 55 अंक करी 0.11 फीसदी बढ़कर 52,224 पर था। वहीं ऑटो, पीएसयू बैंक, फिन सर्विस, एफएमसीजी, रियल्टी और मीडिया के शेयरों में तेजी रही जबकि आईटी, फार्मा और मेटल के शेयरों पर दबावा रहा। इसके अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सपाट कारोबार हुआ।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 23 अंक करीब 0.04 फीसदी नीचे आकर 60,157 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 10 अंक तकरीबन 0.05 फीसदी बढ़कर 19,476 पर रहा है।

सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड ने जुटाए 103.12 करोड़ रुपये

ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIF) लॉन्च करने की तैयारी

मुंबई/इन्दौर ।

सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड ने 1531 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर इक्विटी शेयरों के प्रेफेरेंशियल अलॉटमेंट के माध्यम से 103.12 करोड़ रुपये की फंड जुटाने की घोषणा की है। यह कंपनी की स्ट्रेटेजिक और ऑपरेशन में अपने इन्वेस्टर्स के विश्वास और भरोसे को मजबूत करता है। इस रकम का उपयोग सिस्टमेटिक्स के अलग अलग बिज़नेस वर्टिकल्स में स्ट्रेटेजिक इनिशियेटिव के लिए किया जाएगा, जिसमें केटेगरी I और केटेगरी IIIके दो ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIFs) की शुरुआत, मार्जिन ट्रेडिंग बुक का विस्तार, वेल्थ मैनेजमेंट को मजबूत करने, इन्स्टिट्यूशन संस्थागत और एचएनआई/रिटेल ब्रोकिंग डिवीजन का विस्तार और आईबी एवं ईसीएम बिज़नेस की ग्रोथ को तेज करना शामिल है। बेलग्रेव इन्वेस्टमेंट फंड, श्री मधुकर चिमनलाल शेठ, ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, श्री सिद्धार्थ अय्यर, निखिल वोरा एचयूएफ, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, स्काई हॉक वेंचर्स, को प्रेफेरेंशियल शेयर अलॉट किए जाएंगे। सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड (SCSL) के प्रबंध निदेशक श्री निखिल खंडेलवाल ने कहा, इस फंड का जुटाया जाना हमारे विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह हमें अपनी विकास पहलों को तेज करने और एक प्रशंसित भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी बनाने के हमारे इरादे को और मजबूती देता है। सिस्टमेटिक्स ईसीएम और आईबी में अपनी क्षमताओं को बदलने के साथ ही पीएमएस और ब्रोकरेज व्यवसायों की वृद्धि को तेज कर रही है। ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स(AIFs) और वेल्थ मैनेजमेंट की नई विकास पहलों का फायदा मिलने में सक्षम है। यह हमारे कॉर्पोरेट क्लाइंट्स के लाइफसाइकल पार्टनर होने के हमारे प्रिंसिपल से मेल खाता है। सिस्टमेटिक्स ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसमें कर-पश्चात लाभ वर्ष 2020 में 1.32 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024 में 152% सीएजीआर के साथ बढ़कर 53.35 करोड़ रुपये हो गया है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लि के आईपीओ ने निवेशकों का पैसा किया दोगुना

यूपीआई से पेमेंट करने वाले 14 लाख आवेदकों की एप्लिकेशन निरस्त

नई दिल्ली। 12 सितबंर को बीएसई और एनएससी पर लिस्ट हुए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ ने निवेशकों के पैसे दोगुने से ज्यादा कर दिए है लेकिन इस मौके का फायदा उठाने में वह निवेशक पीछे रहे गए जिन्होंने आईपीओ अप्लाई करने के समय यूपीआई से पेमेंट किया था। यूपीआई से पेमेंट करने वाले 14 लाख आवेदकों के एप्लिकेशन निरस्त कर दिए गए है। ऐसा यूपीआई के जरिए से पेमेंट करने में आई तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुआ जिन निवेशकों ने नेटबेकिंग के जरिए एप्लिकेशन लगाई थी उनमें एक भी एप्लिकेशन निरस्त नहीं हुई है। इस आईपीओ के लिए 89.07 लाख एप्लिकेशन लगाए गए थे जिनमें से 74.46 लाख आवेदन योग्य पाए गए। यह आईपीओ 9 सितंबर को खुला था और इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 66 रुपए से लेकर 70 रुपए का प्राइज बैंड था 17 सितंबर को कंपनी की शेयर की कीमत 181.50 रूपए थी यानि लिस्टिंग के यह शेयर अपने प्राइज से 2 गुना बढ़ चुके हैं और यह शेयर लेने वाले छोटे निवेशकों के 15 हजार का निवेश दोगुना हो गया है। कंपनी का मार्केट कैप एक लाख 37 हज़ार 406 करोड़ हो गया है। यदि आप भी भविष्य में किसी आईपीओ के लिए अप्लाई करने जा रहे हैं तो आवेदन करते समय नेटबेकिंग के जरिए ही अपलाई करे इससे आपको आईपीओ अलॉट होने की संभवना बढ़ सकती है।

रिलायंस पावर ने वीआईपीएल को लेकर किया ऐलान....शेयर बने रॉकेट

मुंबई ।

रिलायंस पावर ने 17 सितंबर को अपनी पूर्व सहायक कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) से जुड़े 3,872.04 करोड़ के बड़े कर्ज के निपटान की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद कंपनी के शेयरों में बड़ा उछाल दिखाई दिया है। रिलायंस पावर का शेयर 18 सितंबर को सुबह 9:30 बजे एनएसई (एनएसई) पर 5 प्रतिशत बढ़कर 32.97 पर कारोबार कर रहा था। एनएसई के अनुसार, रिलायंस पावर के शेयर की कीमत 28 अगस्त, 2024 को 38.11 पर 52-सप्ताह के हाई लेवल पर पहुंच गई। वहीं, रिलायंस पावर का शेयर 17 सितंबर को बीएसई (बीएसई) पर हरे निशान में 1 प्रतिशत बढ़कर 31.41 पर बंद हुआ था। एक्सचेंज फाईलिंग के अनुसार, वीआईपीएल, जिसने आरपावर के समेकित राजस्व में मात्र 0.11 प्रतिशत (8.73 करोड़) का योगदान दिया और पिछले वित्त वर्ष में 3,086.29 करोड़ की नकारात्मक शुद्ध संपत्ति रखी, 19 सितंबर, 2024 से आर पावर की सहायक कंपनी नहीं रहेगी।

बता दें कि रिलायंस पावर लिमिटेड ने देश के अक्षय ऊर्जा और भंडारण क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है और 500 मेगावॉट/1,000 मेगावॉट प्रति घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए कांट्रैक्ट हासिल किया है। बिजली उत्पादन कंपनी ने कहा कि उसने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) से ऑर्डर हासिल किया है, जिसने देश की ऊर्जा भंडारण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे अपने प्रयासों के तहत ई-रिवर्स नीलामी (ईआरए) आयोजित की थी। यह देश में इस तरह के सबसे बड़े कांट्रेक्ट में से एक है जो 1,000 मेगावॉट/2,000 मेगावॉट प्रति घंटे के लिए बीईएसएस की एकल इकाइयों की व्यापक निविदा का हिस्सा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये इकाइयां बिल्ड, ऑन और ऑपरेट (बीओओ) मॉडल के तहत परिचालित होंगी और इन्हें मांग के आधार पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है।

कीट और रोगों के प्रकोप से फसल खराब, अभी और बढ़ेंगे टमाटर के दाम

नई दिल्ली।

प्याज और खाद्य तेल के बाद अब टमाटर की कीमतें घर का बजट बिगाड़ रही हैं। टमाटर के भाव और बढ़ सकते हैं वजह है नासिक में टमाटर की फसल कीटों और रोगों के प्रकोप से खराब हो रही है। निफाड क्षेत्र के किसान सरपेन्टाइन लीफ माइनर नामक कीट से परेशान हैं, जो टमाटर के साथ अन्य सब्जियों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह कीट लिरियोमाइजा ब्रासिका मक्खी का लार्वा है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को कमजोर कर देता है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक नासिक जिले के टमाटर के खेतों में कीटों और रोगों का प्रकोप बढ़ गया है। यह आर्थिक नुकसान की स्थिति तक पहुंच गया है। इस स्थिति को इकनॉमिक थ्रेशहोल्ड लेवल कहा जाता है, जहां फसलों को बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरुरत होती है लेकिन पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र अब टमाटर की बुवाई में भी पिछड़ गया है। नासिक में टमाटर की औसत खेती करीब 21 हजार हेक्टेयर में होती है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 30 टन का उत्पादन होता है। पिंपलगांव से दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा समेत कई बाजारों में टमाटर की सप्लाई की जाती है, जबकि कुछ मात्रा बांग्लादेश और पाकिस्तान को निर्यात किया जाता है।

मध्य प्रदेश के भिंड जिले में धान की फसल लीफ फोल्डर कीट से प्रभावित है। वहीं यूपी के सीतापुर जिले में गन्ने में लाल सड़न यानी गन्ने का कैंसर की समस्या देखी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल आलू और प्याज की बुवाई कम हो रही है। 2.89 लाख हेक्टेयर के लक्षित क्षेत्र में से केवल 1.55 लाख हेक्टेयर में टमाटर बोया गया है, जबकि आलू की बुवाई 0.41 लाख हेक्टेयर के लक्षित क्षेत्र में से सिर्फ 0.30 लाख हेक्टेयर में हुई है। वहीं, प्याज की बुवाई भी अपेक्षाकृत कम है।

कलाना इस्पात लिमिटेड का आईपीओ 19 सितंबर 2024 को खुलेगा

मुंबई। प्रीमियम गुणवत्ता वाले स्टील बिलेट्स के निर्माण में विशेषज्ञ, कलाना इस्पात लिमिटेड ने 19 सितंबर, 2024 को अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसका लक्ष्य रू32.59 करोड़ जुटाना और एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपने शेयरों को सूचीबद्ध करना है। क्या होगा

इक्विटी शेयरों का आवंटन

गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) - 23,44,000 इक्विटी शेयर

खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) - 23,46,000 इक्विटी शेयर

मार्केट मेकर - 2,48,000 इक्विटी शेयर तक

इस इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अहमदाबाद में सौर ऊर्जा संयंत्र, रोलिंग मिल की स्थापना और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 23 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा।

इस इश्यू के मुख्य प्रबंधक, जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, अपने साथ व्यापक अनुभव और विभिन्न उद्योगों की गहरी समझ लेकर आए हैं। उनके अनुभवी कौशल उन्हें कुशल नाविक के रूप में स्थापित करते हैं, जो किसी मुद्दे की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से हल करने में सक्षम होते हैं। इस इश्यू की रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

कलाना इस्पात लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री वर्गीस जोसेफ पॉटकेरी ने कहा, "हमें अपनी कंपनी को एक छोटे धातु स्क्रैप ट्रेडिंग उद्यम से हल्के स्टील और मिश्र धातु स्टील बिलेट्स के अग्रणी निर्माता के रूप में विकसित करने में बहुत गर्व है। अपनी स्थापना के बाद से, हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने परिचालन और विनिर्माण क्षमता का विस्तार करके लगातार आगे बढ़े हैं।

अपने आगामी आईपीओ के साथ, हम नवीकरणीय ऊर्जा में रणनीतिक रूप से निवेश करने और भविष्य के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए अपनी विनिर्माण सुविधाओं का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। हम अपनी यात्रा के अगले अध्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते हुए नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

विंडफॉल टैक्स जीरो....तेल उत्खनन कंपनियों के शेयरों में उछाल

मुंबई ।

तेल उत्खनन कंपनियों के शेयरों में बुधवार को शुरूआती कारोबार में जोरदार तेजी दिखी। दरअसल मोदी सरकार ने 18 सितंबर से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स जीरो किया है। इसकारण तेल कंपनियों के शेयरों में उछाल देखने को मिल रहा है। व्यक्तिगत रूप से अबंस ऑफशोर के शेयर की कीमत में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखी गई। साथ ही हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन और ऑयल इंडिया के शेयर की कीमत में 1.9 प्रतिशत तक की तेजी आई। ओएनजीसी के शेयर की कीमत में 1.2 प्रतिशत और सेलन एक्सप्लोरेशन के शेयर की कीमत में 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। तुलनात्मक रूप से बीएसई सेंसेक्स सुबह 9:55 बजे 26 अंक चढ़कर 83,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मोदी सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित क्रूड ऑइल के लिए अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को घटाकर शून्य प्रति टन कर दिया है। टैक्स की नई दर 18 सितंबर यानी बुधवार से प्रभावी होगी।

बता दें कि यह टैक्स विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाता है। दो सप्ताह में औसत तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े इस अधिसूचित किया जाता है। इससे पहले, संशोधन 31 अगस्त से प्रभावी हुआ था। उस समय कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित लाभ कर 1,850 रुपये प्रति टन निर्धारित किया गया था। मंगलवार रात जारी आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य कर दिया गया है। नई दरें 18 सितंबर से प्रभावी होंगी। इसके अलावा ब्रेंट क्रूड

ऑइल अपने हालिया शिखर 91 डॉलर प्रति बैरल से 20 प्रतिशत से अधिक गिरकर अब 73 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। सालाना आधार पर, ब्रेंट क्रूड ऑयल लगभग 5 प्रतिशत फिसल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट हाल ही में और गहरी हो गई क्योंकि चीन में लगातार सुस्त मांग के साथ-साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंकाएं सामने आई है।

क्रिकेट जगत में रिटायरमेंट को मजाक बना रखा है, मैं नहीं बनाऊंगा: रोहित शर्मा

चेन्नई (एजेंसी)। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने साफ कर दिया है कि टी-20 फॉर्मेट छोड़ने के अपने फैसले पर उनका यू-टर्न लेने का कोई विचार नहीं है। संन्यास की घोषणा के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ियों पर चुटीला कटाक्ष करते हुए रोहित ने कहा कि उन्होंने बिल्कुल सही समय पर टी-20 से संन्यास लिया है। रोहित ने बतौर कप्तान टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाकर संन्यास लिया था। इसी मैच के बाद विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ने भी संन्यास की घोषणा कर दी थी।

रोहित ने भारतीय टी20 टीम में वापसी पर कहा कि इन दिनों विश्व क्रिकेट में संन्यास एक मजाक बन गया है, लोग संन्यास की घोषणा करते हैं लेकिन फिर खेलने के लिए लौट आते हैं, भारत में ऐसा नहीं हुआ है - हालांकि मैं अन्य देशों के खिलाड़ियों को देख रहा हूं, वे संन्यास की घोषणा करते हैं लेकिन फिर यू-टर्न लेते हैं। इसलिए आप वास्तव में कभी नहीं जानते कि कोई वास्तव में सेवानिवृत्त हुआ है या नहीं। मेरा निर्णय अंतिम है और मैं बहुत स्पष्ट हूं। यह टी20ई को अलविदा कहने का सही समय था।

बता दें कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर भी अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापस आ चुके हैं। वह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से खेले थे। इसी तरह बेन स्टोक्स भी वनडे से संन्यास लेने के बाद 2023 वनडे विश्व कप में बतौर इंग्लैंड का कप्तान मैदान पर उतरे थे।

बहरहाल रोहित टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के लिए स्टार बनकर उभरे थे। उन्होंने 8 पारियों में 36.71 की औसत और 156.71 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 52, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 मैच में 47 गेंदों पर 92 तो इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 57 रन बनाए थे। रोहित वैसे भी टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 159 मैचों में 32.05 के औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4,231 रनों पर अपना करियर खत्म किया। उनके नाम पर पांच शतक और 32 अर्द्धशतक दर्ज हैं।

चैंपियंस लीग: हैरी केन ने चार गोल करके वायने रूनी का रिकॉर्ड तोड़ा

म्यूनिख (एजेंसी)। हैरी केन ने बायर्न म्यूनिख की डिनामो जाग्रेब पर धमाकेदार जीत में चार गोल किए जिससे वह वायने रूनी का रिकॉर्ड तोड़कर चैंपियंस लीग फुटबाल प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। केन के शानदार प्रदर्शन से बायर्न ने डिनामो ज़ाग्रेब को 9-2 से करारी शिकस्त दी।

यह 2016 के बाद पहला अवसर है जबकि चैंपियंस लीग के किसी एक मैच में इतने अधिक गोल दागे गए। इससे बायर्न के नए कोच विंसेंट कोम्पनी ने यूरोपीय प्रतियोगिता में अपने अभियान की शानदार शुरुआत भी की। केन ने 19वें, 53वें, 73वें और 78वें मिनट में गोल करके प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या को 33 तक पहुंचा दिया जो इंग्लैंड के किसी खिलाड़ी का नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने रूनी के 30 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। केन ने तीन गोल पेनल्टी पर किए। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो दूसरी पेनल्टी के बाद मुझे पता नहीं था की तीसरी पेनल्टी पर क्या करना है लेकिन मुझे खुशी है कि मैं इस पर भी गोल करने में सफल रहा।% बोरुसिया डॉर्टमुंड की 2016 में लेगिया वारसॉ पर 8-4 की जीत के बाद यह चैंपियंस लीग में सर्वाधिक गोल वाला मैच था।

टी20 विश्व कप में खिताब जीतने मानसिक मजबूती बढ़ाने में लगी है भारतीय टीम : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि टी20 विश्व कप में जीत के लिए टीम को मानसिक मजबूती पर भी ध्यान देना होगा। जिससे दबाव के क्षणों में टीम न बिखरे। हरमनप्रीत ने कहा कि इसी कारण खिलाड़ी मानसिक सेहत को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। इसका परिणाम विश्वकप में देखने को मिलेगा। भारतीय महिला टीम 2020 में टी20 विश्व कप के फाइनल में उपविजेता रही थी। इस बार उसे ग्रुप ए में छह बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है।

हरमनप्रीत ने कहा, हम लंबे समय से मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। मैच के अंतिम 3-4 ओवर बेहद अहम होते हैं। कप्तान के अनुसार अंतिम 4-5 ओवर में मानसिक रूप से मजबूत टीम ही जीत जीती है। इसी को देखते हुए भारतीय टीम ने हाल ही में इस पर ध्यान केंद्रित दिया है ताकि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पायें।

हरमनप्रीत ने फाइनल में भारतीय टीम के कमजोर प्रदर्शन को लेकर कहा कि उनकी टीम को साल 2020 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 85 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं 2017 वनडे विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड से केवल नौ रन से वह जीत नहीं पायी। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के हाथों उसे नौ रन से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, हम इन कमजोरियों पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि टूर्नामेंट में इस बार हम इन बाधाओं को पार करने में सफल रहेंगे। टी20 विश्वकप अक्टूबर में यूएई में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

दलीप ट्रॉफी : अय्यर, सैमसन, पराग को मिलेगा खुद को साबित करने का एक और मौका

अनंतपुर (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, रियान पराग और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतिम दौर के मैचों में लंबी अवधि के प्रारूप में खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा।

सत्र की शुरुआत में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में कोई नॉकआउट मैच नहीं होगा तथा सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली टीम विजेता बनेगी। अभी दो मैचों में नौ अंकों के साथ भारत सी अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसके बाद भारत बी (07), भारत ए (06) और भारत डी (00) का नंबर आता है। रुतुराज गायकवाड की अगुवाई वाली भारत सी टीम अंतिम दौर के मैच में मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली भारत ए की टीम का सामना करेगी जबकि अभिमन्यु ईश्वरन के नेतृत्व वाली भारत बी की टीम भारत डी से भिड़ेगी जिसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए नजरअंदाज किए गए अय्यर को खुद को साबित करना पड़ेगा क्योंकि अभी तक वह प्रतियोगिता में आगे बढ़कर नेतृत्व नहीं कर पाए हैं। उनकी टीम अभी तक खाता भी नहीं खोल पाई है और ऐसे में अय्यर की जिम्मेदारी काफी बढ़ जाती है। भारत डी के बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन पर भी चयनकर्ताओं की निगाह टिकी रहेगी।

भारत बी की टीम में शामिल रिंकू सिंह पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और उनका लक्ष्य यहां बड़ी पारी खेलना होगा। जहां तक भारत ए और भारत सी के बीच मुकाबले की बात है तो इसमें अग्रवाल, पराग और साईं सुदर्शन से बड़ी पारियों की उम्मीद है। पराग ने अभी तक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की है लेकिन उन्हें क्रीज पर अधिक समय बिताने की जरूरत है।

चोट से उबर कर वापसी करने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अधिक ओवर करने पर ध्यान देंगे जबकि शम्स मुलानी एक और मैच विजेता प्रदर्शन करना चाहेंगे। इशान किशन ने भारत सी की तरफ से शतक जड़कर लंबी अवधि के प्रारूप में यादगार वापसी की लेकिन चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के लिए उन्हें ऐसा प्रदर्शन जारी रखना होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत ए = मयंक अग्रवाल (कप्तान), रियान पराग, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत, प्रथम सिंह, अक्षय वाडकर, एसके रशीद, शम्स मुलानी, आकिब खान।

भारत बी = अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर), सुयश प्रभुदेसाई, रिंकू सिंह, हिमांशु मंत्री।

भारत सी = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ईशान किशन, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

भारत डी = श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, सारांश जैन, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत (विकेटकीपर), सौरभ कुमार, संजू सैमसन (विकेटकीपर)), निशांत सिंधु, विदवथ कावेरप्पा।

एलएलसी का तीसरा सत्र 20 सितंबर से

नई दिल्ली । लीजैंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का तीसरा सत्र 20 सितंबर से खेला जाएगा। इस लीग में केवल पूर्व क्रिकेटर ही खेल सकते हैं। ये लीग 16 अक्टूबर तक खेली जाएगी, जिसमें कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। जिसमें, इंडिया कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, कोणार्क सूर्यास, मणिपाल टाइगर्स, सदर्न सुपरस्टार और अर्बनराइजर्स हैदराबाद शामिल हैं। इस लीग के सभी मैच जोधपुर, जम्मू और कश्मीर व सूरत में खेले जाएंगे। इस बार इसमें क्रिस गेल, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन, मोहम्मद कैफ और दिनेश कार्तिक जैसे स्टार क्रिकेटर भी शामिल हैं। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले शिखर धवन के अलावा दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे दिखेंगे। इसमें छह टीमें के बीच 25 मैच खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबला 16 अक्टूबर को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी आधारित इस टूर्नामेंट में 200 खिलाड़ियों का एक पूल बनाया गया है। एलएलसी के सह संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, 'लीजैंड्स लीग क्रिकेट का अगला सत्र शुरू होने वाला है। हमें खुशी है कि इस बार कश्मीर में भी मैच खेल जाएंगे। इससे कश्मीर के लोगों को भी स्टेडियम में मैच देखने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि पिछले सत्र में इस लीग को देश में 18 करोड़ लोगों ने देखा था। पिछली बार इसमें सुरेश रैना, आरोन फिंच, मार्टिन गुप्टिल, गौतम गंभीर, क्रिस गेल, हाशिम अमला, रोस टेलर जैसे दिग्गजों ने खेला था।

हेड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार रिकॉर्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड एकदिवसीय विश्वकप से ही जबरदस्त फार्म में हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखे हुए हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल कई रिकार्ड बनाये है। अब उनके निशाने पर भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का एक रिकार्ड है। जिससे वह आने वाले दिनों में तोड़ सकते हैं। ये रिकार्ड है कैलेंडर ईयर में टी20 फॉर्मेट में 175 के स्ट्राइक रेट और 40 से अधिक की औसत से 1000 रन बनाने का। टी20 फॉर्मेट में अब तक सिर्फ दो बल्लेबाज ऐसे हुए हैं जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में 40 से अधिक की औसत से 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव ने पहली बार 2022 में यह उपलब्धि हासिल की थी।सूर्या ने तब 41 पारियों में 45.54 की औसत से 1503 रन बनाए थे। सूर्या का स्ट्राइक रेट इस दौरान 175.99 रहा। ऑस्ट्रेलिया के हेड ने इस साल अब तक 39 पारियों में 1442 रन बना दिये हैं। इस दौरान उनका औसत 41.20 रहा। हेड इस साल अब तक 1 शतक और 13 अर्धशतक लगा चुके हैं। ट्रैविस हेड अब सूर्या के रिकॉर्ड से 61 रन ही पीछे हैं। जैसे ही वे 62वां रन लेंगे तो एक कैलेंडर ईयर में 40 से अधिक की औसत से सबसे अधिक रन बनाने वाले बैटर बन जाएंगे. हेड को यह रिकॉर्ड बनाने का मौका इस साल नवंबर में मिलेगा। नवंबर में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। उसमें हेड इस दौरान सूर्या को पीछे छोड़ सकते हैं। हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक 49 टेस्ट, 65 वनडे और 38 टी20 मैच खेले हैं। उन्हें जितने मौके वनडे और टेस्ट मैचों में मिले हैं, उतने टी20 में नहीं मिले पर इस उनका प्रदर्शन तूफानी रहा है। जिससे हालात बदल गये हैं।

ऋषभ पंत 632 दिन बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी को तैयार, बांग्लादेश के खिलाफ ही खेला था आखिरी मैच

चेन्नई (एजेंसी)। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दो साल में अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं और बुधवार को नेट अभ्यास के दौरान उन्होंने अपने पुराने खेल की झलक पेश की। भयावह कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर शीर्ष स्तर पर वापसी करना साधारण बात नहीं है। इस बात पर विश्वास करना मुश्किल है कि पंत को पिछला टेस्ट मैच खेले हुए 632 दिन बीत चुके हैं।

संयोग ने उन्होंने अपना पिछला टेस्ट भी बांग्लादेश के खिलाफ ही 2022 में खेला था। पंत अब इसी टीम के खिलाफ बृहस्पतिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में वापसी करने को तैयार हैं। इस बीच टीम के क्रिकेट परिदृश्य में तो अधिक बदलाव नहीं आाय लेकिन टीम में जगह बनाने के कुछ मजबूत दावेदार सामने आए। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में ध्रुव जुरेल ने अपनी विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी से प्रभावित किया। अगर टीम प्रबंधन इस मैच के लिए जुरेल को ही खिलाने का फैसला करता तो कोई भी टीम को दोष नहीं दे सकता था लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पंत की अहमियत

के बारे में बताया। गंभीर ने मैच पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हम सभी जानते हैं कि वह (बल्लेबाज के तौर पर) कितना विध्वंसक हो सकता है और टेस्ट क्रिकेट में वह क्या कर सकता है। उसने दुनिया भर में हर जगह रन बनाए हैं।' उन्होंने कहा, 'हमेशा अच्छा होता है कि उसके जैसा कोई ऐसा खिलाड़ी हो जो हमारे लिए मैच में जीत की राह तैयार कर सके और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह बहुत प्रभाव भी डाल सके।' पंत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी सफेद गेंद के प्रारूप के साथ की और वह टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे लेकिन लंबे प्रारूप में कौशल और एकाग्रता को लेकर अलग तरह की चुनौती होती है। पंत ने हाल ही में बेंगलुरू में दलीप ट्रॉफी मैच में भारत बी के लिए खेलते हुए लाल गेंद के क्रिकेट के लिए तैयार होने की झलक पेश की। भारत ए के खिलाफ पहली पारी में 10 गेंदों पर सात रन बनाने के बाद पंत ने दूसरी पारी में 47 गेंद में नौ चौकों और दो छक्कों से 61 रन बनाकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। पंत ने उस मैच में दूसरी पारी में पांच कैच सहित कुल सात कैच भी लपके। जुरेल इस दौरान भारत ए के लिए खेले लेकिन यह स्पष्ट था कि इस मुकाबले में नजरें पंत पर ही रहेंगी।

संभावित प्लेइंग 11

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव/आकाश यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रित बुमरा

बांग्लादेश- जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल-हसन, लिटन दास (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राणा

बांग्लादेश ने महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम की घोषणा की, इसे मिली कप्तानी

ढाका । संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश ने टीम का ऐलान कर दिया है और निगार सुल्ताना जोटी को कप्तानी सौंपी गई है। जोटी स्पिन विकल्पों से भरपूर टीम की अगुआई करेंगी जिसमें उनके 15 खिलाड़ियों की टीम में कई बाएं और दाएं हाथ के साथ-साथ ऑफ-ब्रेक और लेग-ब्रेक विकल्प भी शामिल हैं। नाहिदा अख्तर, शोरना अख्तर, राबेया, सुल्ताना खातून और फहीमा खातून टीम में स्पिन गेंदबाजी की रीढ़ हैं। दूसरी ओर, युवा मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, सुश्री रितु मोनी और सोभना मोस्टरी से तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के साथ महिला टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप बी का हिस्सा है। महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में आया जब उन्होंने आयरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल की। इस साल के आयोजन में उनका पहला मैच 3 अक्टूबर को शारजाह में स्कॉटलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच होगा।

महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, शोर्ना अख्तर, मारुफा अख्तर, राबेया, रितु मोनी, शोभना मोस्टोरी, दिलारा अख्तर (विकेटकीपर), सुल्ताना खातून, जहांआरा आलम, फाहिमा खातून, ताज नेहर, दिशा बिस्वास, शांति रानी

आईसीसी ने जारी की टी20 रैंकिंग, इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन बने नंबर-1 ऑलराउंडर

स्पोर्ट्स डेस्क - आईसीसी ने बुधवार को टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंट जारी की। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन ने अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई और नंबर वन ऑलराउंडर बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त तीन मैचों की टी20 सीरीज में लियाम ने बैट और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मैचों में 124 रन और 5 विकेट अपने नाम किए। लियाम ने 47 गेंद में 87 रन की शानदार पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 6 चौके और पांच छक्के भी जड़े। उनकी इस पारी की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी20 मैच में 194 रनों के लक्ष्य का पीछा कर लिया था। दो मैचों में कमाल का प्रदर्शन कर लियाम ने सात पायदान की बड़ी छलांग लगाई और नंबर वन ऑलराउंडर बन गए हैं। इस दौरान उन्होंने मार्कस स्टोयिस को पीछे छोड़ा है। मार्कस को दो स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं टॉप-10 में हार्दिक पंड्या एकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। हार्दिक 199 अंक के साथ सातवें नंबर पर हैं। जबकि अक्षर पटेल 149 अंक के साथ 11वें स्थान पर हैं।

'फाइनल वास्तव में तनावपूर्ण था', एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद बोले हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच आपसी एकजुटता और एक दूसरे का साथ देने की अदम्य इच्छा से भारत को रिकॉर्ड पांचवीं बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद मिली। भारत ने मंगलवार को हुलुनबिर में फाइनल में जुगराज सिंह के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से चीन को 1-0 से हराया। पाकिस्तान ने दक्षिण कोरिया पर 5-2 से जीत के साथ कांस्य पदक जीता।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार हरमनप्रीत ने कहा, 'फाइनल वास्तव में तनावपूर्ण था। चीन की टीम ने पूरे मैच के दौरान हमारे सामने कड़ी चुनौती पेश की जिससे गोल करने के लिए मौका बनाना आसान नहीं था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों का एक दूसरे पर भरोसा काफी बढ़ा है। हम एक दूसरे के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। इस तरह की एकजुटता से हमें मैच जीतने में मदद मिलती है।'

भारतीय कप्तान ने कहा, 'पिछले साल चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक, हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से टीम के अंदर गहरा सौहार्द पैदा हुआ है।' हरमनप्रीत ने इन प्रतियोगिताओं में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में 10 गोल किए। भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 26 गोल किए जिनमें सात गोल हरमनप्रीत ने दागे। उन्होंने अपने सभी गोल पेनल्टी कार्नर पर किये। हरमनप्रीत ने कहा कि आगे भी इस सफलता को बरकरार रखना महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, 'हमें गर्व है कि हम अपना खिताब बचाने में सफल रहे लेकिन काम यही पर समाप्त नहीं हुआ है। अभी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें सुधार की जरूरत है। हमें एक टीम के रूप में मजबूत बनना होगा।' उप-कप्तान विवेक सागर ने कहा कि ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रत्येक टीम का लक्ष्य भारत को हराना था। उन्होंने कहा, 'ग्रुप चरण में किसी भी टीम के खिलाफ खेलना आसान नहीं था। ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रत्येक टीम ने भारत को हराना अपना लक्ष्य बनाया था। लेकिन हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।'

एसजीसीसीआई द्वारा विवनीट प्रदर्शनी-2024 और एसजीसीसीआई गारमेंट एंड सोर्सिंग एक्सपो-2024 आयोजित किया जाएगा

सुरत भुमि, सूरत।

दी सदर्न गुजरात चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्टई एवं सदर्न गुजरात चेम्बर ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज डेवलटमेन्ट सेन्टर द्वारा 20 से 22 सितंबर 2024 के दरमियान सरसाणा स्थित सूरत इंटरनेशनल एक्जीबिशन एंड कन्वेन्शन सेन्टर स्थित विवनिट एक्जीबिशन - 2024 एवं इसके साथ ही स्त्रष्टष्ट्ड गारमेन्ट एंड सोर्सिंग एक्सपो - 2024 का आयोजन किया जाएगा।

चेम्बर प्रमुख विजय मेवावाला ने पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए बताया कि यह एक्जीबिशन चेम्बर आफ कामर्स का अति महत्वाकांक्षी प्रदर्शन है जिसका मुख्य उद्देश्य शहर के विविंग , निटिंग , नैरो फेबिर्क्श एवं टेक्निकल टेक्सटाइल्स को एक नयी दिशा एवं गति देना है इससे सुरत सहित दक्षिण गुजरात के विवर्स, नीटर्स, टेक्निकल टेक्सटाइल्स और फेबिर्क्स मैन्युफैक्चरर को बी टु बी प्लेटफार्म उपलब्ध होगा पिछले दो वर्ष की सफलता के बाद यह तीसरे साल का आयोजन है।

इस प्रदर्शनी में सुरत के उद्योग साहसिकों को गारमेन्ट युनिट लगाने के लिए मशीन, धागा, लेश, बटन, कलर एनालसिस, एवंफैशन डिजाइनिंग का डिस्प्ले किया जाएगा।

चेम्बर के तत्कालीन पूर्व प्रमुख रमेश वघासिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह शुक्रवार, 20 सितंबर 2024 को सुबह 10 बजे सेमिनार हाल ए , सरसाणा में आयोजित किया जाएगा जिसमें उद्घाटक के रूप में पूर्व केन्द्रीय टेक्सटाइल एवं रेलवे राज्य मंत्री दर्शना जरदोष एवं भारत के एडिशनल टेक्सटाइल कमिशनर (सेवानिवृत्त) एस पी वर्मा अतिथि विशेष के रुप में उपस्थित रहेंगे।

इस प्रदर्शनी में भाग लेनेवाले एम एस एम ई उद्योगकारों को गुजरात सरकार की ओर से सब्सिडी का भी लाभ मिलेगा।

टेक्सटाइल और गारमेन्ट सहयोग, रघुवीर स्कारलेट सूरत में एन्टरप्रेन्योर बिज़नेस मीट आयोजित की गई

सुरत भुमि, सूरत।

सूरत टेक्सटाइल एसोसिएशन और तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के परिधान क्षेत्र के उद्योग जगत के नेताओं ने आज रघुवीर स्कार्लेट, सरोली, सूरत में परिधान व्यापार में सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष औद्योगिक उद्यमी बैठक का आयोजन किया, जिसमें 800 से अधिक कपड़ा और अन्य उद्यमी एक साथ आए। . यह कार्यक्रम दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) और फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन (एफओएसटीटीए) के सहयोग से रघुवीर डेवलपर्स द्वारा आयोजित किया गया था। इस रणनीतिक समिति ने सूरत में व्यापार विस्तार और नए अवसरों का पता लगाने के लिए शीर्ष हितधारकों को एक साथ लाया है।

कार्यक्रम में शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति:

- के.एम. सुब्रमण्यम, संस्थापक और अध्यक्ष के.एम. निटवेअर ग्रुप और तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष
- श्री कैलाश हकीम, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन (FOS-TTA)
- श्री निखिल मद्रासी, उपाध्यक्ष, दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स, (एसजीसीसीआई)
- एन। थिरुक्कुमरन, - एईपीसी नई दिल्ली, सीईओ/निदेशक - एस्टी एक्सपोर्ट इंडिया प्राइवेट। लिमिटेड, महासचिव - तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन
- जी। सेंथिल कुमार, निदेशक, थिप्पम निट कॉम्पेक्टर्स- प्रेम अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड और ईसी सदस्य, तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन
- श्रीकांत बनर्जी, उपाध्यक्ष, गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड और निदेशक, एब्सोल्यूट चॉइस
- अशोक कटारिया, सदस्य, तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन

यह कार्यक्रम रघुवीर डेवलपर्स की एक टीम द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका प्रतिनिधित्व कंपनी के तीन निदेशक चंदूभाई कोराट, गोरधनभाई असोदरिया और शिवलालभाई पोंकिया ने किया था। उन्होंने भारत के कपड़ा और परिधान उद्योग में सूरत के बढ़ते प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने वाली चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कपड़ा उद्योग में सूरत की बढ़ती भूमिका सूरत को विश्व स्तर पर एक अग्रणी कपड़ा केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो सिंथेटिक, पॉलिएस्टर और रेशम उत्पादों सहित भारत के कपड़ा उत्पादन में 40त्न से अधिक का योगदान देता है। रेडीमेड परिधान निर्माण में शहर तेजी से महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनता जा रहा है। उद्यमियों की बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे सूरत की कुशल आपूर्ति श्रृंखला, कुशल कार्यबल और लागत प्रभावी विनिर्माण प्रक्रियाएं परिधान निर्यातकों और निर्माताओं के लिए अपने व्यवसाय को बढ़ाने और लाभप्रदता बढ़ाने के नए अवसर पैदा कर रही हैं।

डुम्मस आर्ट प्रोजेक्ट ने अपना दसवां संस्करण लॉन्च किया

सुरत भुमि, सूरत।

युज आर्ट फाउंडेशन द्वारा समर्थित एक सार्वजनिक कला उत्सव, ड्रस आर्ट प्रोजेक्ट ने 18 सितंबर, 2024 को अपना दसवां संस्करण लॉन्च किया। इस वर्ष की थीम %ट्रांसेंडिंग बाउंड्रीज़% कलाकारों को नवीन कलाकृतियाँ और मूर्तियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो उनकी दृष्टि, कल्पना और कलात्मक प्रतिभा को दर्शाती हैं। महोत्सव का उद्घाटन सूरत नगर निगम की माननीय नगर आयुक्त आईएएस सुश्री शालिनी अग्रवाल ने किया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन और कला कार के उद्घाटन के साथ हुई। इसके बाद मगदल्ला प्लाजा में सर्वम पटेल द्वारा %सैंड्स ऑफ टाइम% नामक एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला लाइव रेत कला शो आयोजित किया गया।

महोत्सव में 200 से अधिक कला प्रतिष्ठान, मूर्तियां, पेंटिंग और तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। यह इंस्टॉलेशन जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स, एमएस यूनिवर्सिटी, वडोदरा, वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी, चित्रकला परिषद और पब्लिक स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स और जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों द्वारा किया गया था। काला कार पुरस्कार विजेता कलाकार और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक मितल सोजित्रा के सहयोग से बनाई गई थी। वीआर सूरत की बेसमेंट की दीवारों को एक आर्ट गैलरी में बदलते हुए, बेसमेंट आर्ट प्रोजेक्ट कलाकारों की पिथुरा कला की कृतियों को प्रदर्शित करता है। अगले एक माह तक वीआर सूरत इंस्टालेशन। ललित कला, फोटोग्राफी, प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ, पैनल चर्चाएँ। यह युवा कलाकारों के बीच प्रतियोगिताओं और कलाकृतियों के बाजार के साथ कलात्मक समारोहों का केंद्र होगा। डुमास आर्ट प्रोजेक्ट का यह संस्करण महत्वपूर्ण सहयोगों की एक श्रृंखला द्वारा संचालित है जो उत्सव की व्यापक दृष्टि में योगदान देता है। तना। शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में यूनेस्को, नई दिल्ली के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की गई है। मुख्य आकर्षणों में यूनेस्को प्रकाशन "ए ब्रेडेड रिवर- द यूनिवर्स ऑफ इंडियन वूमेन इन साइंस" पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी, इंटरवॉवन लेगेसीज- भारत में विश्व विरासत और बुनाई विरासत के बीच तालमेल नामक एक डिजिटल शोकेस और इसे संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल शोकेस शामिल है। राजस्थान में लोगा संगीतकारों और हस्तशिल्प की जीवंत विरासत इसमें यूनेस्को के प्रयासों का एक अनूठा प्रतिनिधित्व शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र सिविल सोसाइटी सम्मेलन द्वारा समर्थित, न्यूयॉर्क स्थित आर्ट्स फॉर द मेच्योर फेस्टिवल के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वैश्विक समुदाय तक हमारी पहुंच बढ़ाता है। ये दोनों महोत्सव कलाकारों और रचनाकारों के लिए एक समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो इस साझेदारी को डुमास कला परियोजना का स्वाभाविक विस्तार बनाता है।

"2013 में अपनी स्थापना के बाद से, डुमास आर्ट प्रोजेक्ट ने भारत भर में अद्वितीय सार्वजनिक कला उत्सव बनाने, अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए जीवंत स्थान बनाने की हमारी यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। हम प्रत्येक उत्सव के साथ मिले अभूतपूर्व समर्थन और जुड़ाव के लिए आभारी हैं। हमने अन्य विकास किए हैं और अब हम भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं।

पिछले दशक में हमने यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र सिविल सोसाइटी सम्मेलन द्वारा समर्थित न्यूयॉर्क स्थित आर्ट फॉर द फ्यूचर फेस्टिवल जैसे संगठनों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए अपने सार्वजनिक कला उत्सवों का दायरा बढ़ाया है। आर्टिस्ट मेंटरशिप प्रोग्राम जैसी हमारी पहल ने उभरती प्रतिभाओं को स्थापित पेशेवरों से सीखने का अवसर प्रदान किया है। हमें डुमास आर्ट प्रोजेक्ट के दसवें संस्करण के इस मील के पत्थर तक पहुंचने पर गर्व है और हम छात्रों और समुदाय दोनों को समृद्ध बनाने वाली नई साझेदारियां और पहल जारी रखने के लिए तत्पर हैं", डुमास आर्ट प्रोजेक्ट की क्यूरेटर सुमी गुप्ता ने कहा।

भगवान गणेश की 2500 से अधिक अर्ध-विसर्जित मूर्तियों का पुन:विसर्जन किया गया

सुरत भुमि, सूरत।

सूरत के डिंडोली, खरवासा, चलथान, पर्वत पाटिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नहरों से अर्ध-विसर्जित तैरती पीओपी से बनी 2500 से अधिक गणेश मूर्तियों को सांस्कृतिक सुरक्षा समिति द्वारा प्रबंधित श्री माधव गौशाला और पशु होस्टेल के 200 से अधिक गौसेवकों द्वारा बाहर निकाला गया और हजीरा के समुद्र में पुन: विसर्जित किया गया। यह कार्य उधना क्षेत्र में श्री माधव गौशाला एवं पशु होस्टेल के 200 से अधिक गौसेवकों द्वारा किया गया, जहां बीमार गौ माताओं और अन्य पशुओं का इलाज किया जाता है। संस्कृति संरक्षण समिति के अध्यक्ष आशीष सूर्यवंशी ने बताया कि हमारी संस्था पिछले 8 वर्षों से शहर की विभिन्न नहरों से आधी-अधूरी गणेश प्रतिमाएं, दशम की हजारों पीओपी प्रतिमाएं हटा रही है और लोगों को मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। 10 दिनों की भक्ति के बाद भक्तों द्वारा देवी-देवताओं की मूर्तियों को गंदे पानी में विसर्जित कर दिया जाता है और हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले दृश्य दिखाए जाते हैं। संस्कृति की रक्षा के लिए, सांस्कृतिक संरक्षण समिति लोगों और प्रशासन के बीच सही काम करने और पीओपी मूर्तियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए लगातार प्रस्तुतियाँ और कार्यक्रम देती है। सूरत मनपा द्वारा कुट्रीम तालाबों के निर्माण और इन नहरों के पास सूरत पुलिस की कड़ी पुलिस उपस्थिति के बावजूद, तथाकथित गणेश भक्तों ने अपनी सुविधा के लिए गणेश की मूर्ति को विसर्जित करने के अवसर का लाभ उठाया। ऐसे भक्तों से निवेदन है कि यदि बप्पा को उचित स्थान पर स्थापित और विसर्जित नहीं किया जा सकता है तो न करें।

दुबई के रस-अल-खेमा इकोनॉमी जोन (राकेज़) सरकार के अधिकारी सूरत पहुंचे

सूरत।

भारतीय पूरी दुनिया में बिजनेस के लिए जाना जाता है और इसमें गुजरात और सूरत के लोग खासतौर पर देखे जाते हैं। इसलिए, दुबई सरकार ने भी ज्यादातर भारतीय व्यापारी दुबई में व्यापार करने के लिए आये इसी उद्देश से दुबई की रस-अल-खेमा आर्थिक क्षेत्र (राकेज़) ने सूरत के मंत्रा जनरल ट्रेडिंग एलएलसी को अधिकृत रेफरल पार्टनर के रूप में नियुक्त किया है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को व्यवसाय करने के लिए दुबई लाना है।

राकेज के अधिकृत रेफरल पार्टनर और मंत्र जनरल ट्रेडिंग एलएलसी के डायरेक्टर और सूरत के एक युवा व्यवसायी विकुंज आम्बलिया ने कहा, हमने सूरत में आयोजित यार्न एक्सपो में राकीज़ का एक स्टॉल लगाया था। जिसमें बड़ी संख्या में व्यपरियोने राकीज स्टॉल की मुलाकात ली थी। लोग इस बारे में अधिक विस्तृत जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, उनकी बात को ध्यान में रखते हुए हमने अगस्त के महीने में एक मुफ्त सेमिनार का भी आयोजन किया था। जिस में सूरत और गुजरात के 200 से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया। इस सेमिनार में व्यापारी किसी भी प्रकार के एजेंट के बिना सीधे रस-अल-खेमा अर्थव्यवस्था क्षेत्र (RAKEZ) सरकार के साथ किस तरह से जुड़ सकते हैं इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई थी।

स्फिर माथुर (राकेज़ के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी) और अभिजीत पंधारे (राकेज़ के अधिकारी) ने कहा, हम लोग सूरत में 18 से 20 सितंबर तक सूरत में रुकेंगे। जिसमे आज शाम 6 बजे गुजरात के व्यापारियों के साथ होटल अमोर में एक सेमिनार भी आयोजित किया है। जिसमे मुस्तफा शेखर (राकेज़ के डायरेक्टर) वेब के माध्यम से लाइव सामिल होगे। इसके बाद 19 और 20 सितंबर दो दिन तक दुबई के रस-अल-खेमा इकोनॉमिक जोन (राकेज) में बिजनेस करना चाहते हैं ऐसे 50 से अधिक व्यापारियो के साथ वन-टू-वन मीटिंग करेंगे और उन व्यापारियो को सूरत से ही लाइसेंस जारी किए जाएंगे। व्यापारी किसी भी प्रकार के एजेंट के बिना सीधे राकेज़ सरकार से जुड़ सकेंगे। राकेज सरकार की ओर से व्यापारियों को को-वर्किंग स्पेस, वेयरहाउस, ऑफिस, जमीन, सिक्योरिटी आदि सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ये सुविधाएं राकेज सरकार द्वारा तय किए गए 10 तरह के पैकेजों के आधार पर तय की जाएंगी।

एएम/एनएस इंडिया ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन को शक्ति देने के लिए एक अद्वितीय आयात विकल्प Magnelis® लॉन्च किया

सूरत - हजीरा। दुनिया के दो प्रमुख इस्पात निर्माताओं, आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील का एक संयुक्त उद्यम, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने बेजोड़ संक्षारण प्रतिरोध और स्व-उपचार गुणों के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त स्टील ब्रांड Magnelis® के लॉन्च की घोषणा की है। सोमवार को मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान इनोवेटिव स्टील ब्रांड का अनावरण किया गया।

आर्सेलरमित्तल का पेटेंट ब्रांड - Magnelis®, अब भारत में निर्मित और वितरित किया जा रहा है। यह नवीकरणीय ऊर्जा जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण, उच्च-विकास वाले क्षेत्रों के लिए आपूर्ति दक्षता बढ़ाता है और साथ ही आयातित विशेष इस्पात उत्पादों पर देश की निर्भरता को कम करता है।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), श्री दिलीप ओम्मेन ने कहा कि, "भारत में Magnelis® का लॉन्च, आत्मनिर्भर भारत मे योगदान देते हुए देश में बेहतर स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस विश्व स्तरीय आयात वैकल्पिक स्टील का उत्पादन करके, हम न केवल गुणवत्तापूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर समाधान प्रदान कर रहे हैं, बल्कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने में भी योगदान दे रहे हैं। Magnelis® पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ सामग्रियों का भविष्य है और इसकी शुरूआत देश के विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

"आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) के सेल्स एंड मार्केटिंग विभाग के निदेशक और उपाध्यक्ष श्री रंजन धार ने कहा कि "भारत में Magnelis® का लॉन्च हमारे लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि इस अद्वितीय समाधान ने वैश्विक सौर परियोजनाओं में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन साबित किया है, जो स्थापित क्षमता में 50 गीगावॉट का योगदान देता है। यहां नए उत्पाद की पेशकश से डिलीवरी का समय कम हो रहा है और लॉजिस्टिक्स लागत में भारी कमी आ रही है। इस प्रकार स्थानीय ग्राहकों को उनके बुनियादी ढांचे के लिए तेज़ और अधिक कुशल समाधान प्रदान किया जाता है और ऐसे भारत अपनी राष्ट्र-निर्माण पहल को तेज़ कर रहा है। अन्य अंतिम-उपयोग क्षेत्रों में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर (क्रैश बैरियर), कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर (अनाज साइलोज, कृषि उपकरण) और निर्माण (पूर्व-इंजीनियर्ड भवन संरचनाएं) शामिल हैं।"

Magnelis® जिंक, एल्युमीनियम और मैग्नीशियम की अनूठी संरचना वाला एक उन्नत मिश्र धातु लेपित स्टील ब्रांड है, जो असाधारण संक्षारण प्रतिरोध और स्व-उपचार गुण प्रदान करता है। पहले, यह उच्च-स्तरीय मूल्यवर्धित स्टील मुख्य रूप से कोरिया, जापान और चीन से आयात किया जाता था, जिसकी डिलीवरी में अक्सर कई महीने लग जाते थे।

पीसीओएस जागरूकता माह: पीसीओएस को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रखने के टिप्स

पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल सितंबर को पीसीओएस जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस के लक्षणों में अनियमित माहवारी, पुरुष हॉर्मोन का बढ़ना, ओवरी में सिस्ट, वजन बढ़ना, एक्ने, शरीर पर ज्यादा बाल आना और प्रजनन समस्याएं शामिल हैं।

इन लक्षणों को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रित करने के लिए जानी-मानी आहार विशेषज्ञ और वेलनेस कंसल्टेंट, शीला कृष्णास्वामी संतुलित और स्वच्छ आहार लेने की सलाह देती हैं। वे कहती हैं कि बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और साबुत अनाज जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ खाना जरूरी है, क्योंकि इससे शरीर को सही पोषण मिलता है और समग्र सेहत में सुधार होता है।

संतुलित आहार को प्राथमिकता दें: पीसीओएस को नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है, जिसमें फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, फलियां और बादाम जैसे नट्स शामिल हों। बादाम खासतौर पर हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और फाइबर के लिए जाना जाता है, जो पेट भरा हुआ महसूस कराता है और वजन नियंत्रित करने में मदद करता है।

कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थों का चयन करें: पीसीओएस को नियंत्रित करने के लिए दालें, साबुत अनाज, सीड्स और बादाम जैसे नट्स, जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, काफी फायदेमंद होते हैं।

नियमित शारीरिक गतिविधि: पीसीओएस को नियंत्रित करने के लिए रोज़ाना एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। ब्रिस्क वॉकिंग, स्विमिंग, कोई खेल खेलना या योग करने से वजन को नियंत्रित रखने और इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद मिलती है। ये दोनों चीजें पीसीओएस के लक्षणों को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में सहायक होती हैं।

पानी पीते रहें: सेहत बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। सही मात्रा में पानी पीने से शरीर की कई प्रक्रियाएं, जैसे मेटाबॉलिज्म और पाचन, बेहतर होती हैं। हर दिन 6 से 8 गिलास पानी पीने से पीसीओएस से जुड़े लक्षण, जैसे पेट फूलना और थकान, कम हो सकते हैं।

सीईओ गोलमेज सम्मेलन ने गुजरात में अपतटीय पवन ऊर्जा क्षेत्र के लिए अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की

गांधीनगर।

गुजरात में अपतटीय पवन ऊर्जा के दोहन पर एक महत्वपूर्ण सीईओ गोलमेज चर्चा 17 सितंबर, 2024 को महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई थी। ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) के चौथे संस्करण के हिस्से के रूप में आयोजित, गोलमेज चर्चा ने गुजरात में अपतटीय पवन ऊर्जा के विकास पर चर्चा करने के लिए सरकारी अधिकारियों, उद्योग के नेताओं और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक साथ लाया। गोलमेज चर्चा गुजरात की विशाल अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता का दोहन करने, इसकी 1,600 किमी लंबी तटरेखा और अच्छी तरह से विकसित बंदरगाह बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी।

गुजरात सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सचिव, आईएएस श्री भूपिंदर सिंह भल्ला ने गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की और इसका संचालन डेनिश ऊर्जा एजेंसी के विशेष सलाहकार श्री अल्प गुणेश्वर ने किया। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं दोनों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और प्रमुख हितधारकों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देते हुए गहन चर्चा की।

सत्र की शुरुआत गुजरात सरकार के एक संबोधन के साथ हुई, जिसमें पिपावाव तट पर 500 मेगावाट की अपतटीय पवन परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्राप्त करने और गुजरात में 10 गीगावॉट के अपतटीय पवन पार्क को विकसित करने के लिए समुद्री ब्लॉकों की मंजूरी सहित महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

इस सीईओ राउंडटेबल पर टिप्पणी करते हुए, गुजरात सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सचिव, आईएएस श्री भूपिंदर सिंह भल्ला ने कहा, "1,600 किमी की प्रभावशाली तटरेखा के साथ, गुजरात रणनीतिक रूप से अपतटीय पवन का केंद्र बनने के लिए तैयार है। भारत में ऊर्जा क्षेत्र. अनुकूल हवा की गति और गहरा पानी गुजरात को बड़े पैमाने के अपतटीय पवन फार्मों के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। अपतटीय पवन ऊर्जा भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट और 2070 तक शुद्ध शून्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, और गुजरात अपतटीय पवन ऊर्जा में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में उभरने की संभावना है। केंद्र सरकार ने गुजरात के तट पर संभावित अपतटीय पवन ब्लॉकों की पहचान की है जिनमें 32-35 गीगावॉट पवन ऊर्जा की क्षमता है। यह कदम देश के स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में 2030 तक 100 गीगावॉट स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के गुजरात के लक्ष्य के अनुरूप है।"

डेनिश एनर्जी एजेंसी, एनआईडब्ल्यूई, सीईईडब्ल्यू, सुजलॉन, वेस्टास, वेना एनर्जी, पावरग्रिड, अरन पावर, एलएंडटी, एस्सार और आईआईएम-ए जैसे अग्रणी संगठनों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और उनकी चर्चा साइट की पहचान, विस्तारित तकनीकी व्यवहार्यता और जलवायु अध्ययन के महत्व पर केंद्रित थी। और अपतटीय परियोजनाएं आवश्यक ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे पर केंद्रित थीं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)